चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 206 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

भोपाल
20 जनवरी 2025 सोमवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
10 न्यूनतम

Page-7

## सीएम ने आयुर्वेद पर्व की शुरूआत की

भोपाल.दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज आयुर्वेद पर्व-2025 की शुरूआत की। इसके लिये देशभर के आयुर्वेद विशेषज्ञ,शोधार्थीव छात्र जुटे हैं।इस आयोजन का मकसद आयुर्वेद चिकित्सा पध्दति से जुड़ी नई उपलब्धियो व पारंपरिक चिकित्सा को और विकसित करने पर गहन विचार विमर्श है। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय सेमीनार और आरोग्य मेले का उदघाटन किया। उन्होंने स्मारिका का विमोचन, आयुर्वेद क्षेत्र के कर्मठ एवं निष्णात वैद्यों का सम्मान और मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग से चयनित व्याख्याताओं को नियुक्ति पत्र का वितरण भी किया। इस अवसर पर आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार, विधायक भगवानदास सबनानी और पदश्री एवं पदमभूषण से अलंकृत आयुर्वेद महा सम्मेलन ट्रस्ट अध्यी देवेन्द्र त्रिगुणा भी उपस्थित थे। आयुर्वेद पर्व के दौरान कलियासोत मैदान पर वैज्ञानिक प्रदर्शनी, आयुर्वेदिक उत्पादों का प्रदर्शन,आयुर्वेदिक औषधियों, जड़ी-बूटियों, निःशुल्क चिकित्सा शिविर और राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। इस दौरान देश के कई आयुर्वेद विशेषज्ञ और आयुर्वेद के 190 से ज्यादा पोस्ट ग्रेजुएट स्टूडेंट्स अपना व्याख्यान देंगे और रिसर्च पेपर प्रेजेंट करेंगे।

## सैफ के घर पर फिर से हमले की घटना होगी

### पुलिस क्राइम सीन रिक्रिएट करने की तैयारी में

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान के घर पर अब मुंबई पुलिस क्राइम सीन रीक्रिएट करने की तैयारी में है। जिस बांग्लादेशी शरीफुल इस्लाम शहजाद नाम के आरोपी उसने पकडा है उसे पांच दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। अब सैफ के घर सतगुरु शरण बिल्डिंग ले जाया जाएगा। पुलिस ने बताया कि शहजाद इमारत की आठवीं मंजिल तक सीढ़ियों से पहुंचा। इसके बाद एक पाइप का उपयोग करके 12वीं मंजिल पर चढ़ा और बाथरूम की खिड़की के रास्ते सैफ के फ्लैट में घुस गया। 15 जनवरी की रात करीब 2 बजे सैफ पर हमला हुआ था, उन्हें रीढ़ और गर्दन पर गंभीर जख्म आए थे। इसके बाद वे लीलावती अस्पताल पहुंचे, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। हालांकि आरोपी वारदात के समय अकेला था या कुछ और लोग भी साथ थे, इसकी जांच चल रही है।

### कुछ घंटे बाद अमेरिका में नया युग, दुनिया की निगाहें, ट्रंप लेंगे एक तरफा फैसले

## शपथ लेते ही सौ फाइलों पर करेंगे साइन

वाशिंगटन/नई दिल्ली

अमेरिका में आज सत्ता परिवर्तन भारत के लिये कम महत्वपूर्ण नहीं है। आज शाम डोनाल्ड ट्रंप 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे। वे शपथ लेने के तत्काल बाद ट्रंप व्हाइट हाउस पहुंचकर करीब 100 ऐसी फाइलों पर साइन करने वाले हैं जो अमेरिका समेत कई अन्य देशों के लिये भी महत्वपूर्ण हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप जिन 100 फाइलों पर अपने कार्यकाल के पहले दिन ही साइन करेंगे उनमें से अधिकतर चुनावी वादे हैं। बताया जा रहा है कि ट्रंप जिन फाइलों पर साइन करेंगे वे दरअसल कार्यकारी आदेश होंगे। इस तरह के आदेश राष्ट्रपति एकतरफा तरीके से जारी करते हैं। इनके लिए संसद की मंजूरी की जरूरत नहीं होती। हालांकि, इन फैसलों को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। ट्रंप के एक सहयोगी स्टीफन मिलर ने बताया कि ये कार्यकारी आदेश मुख्य रूप से देश की दक्षिणी सीमा को सील करने, मास डिपोर्टेशन, महिलाओं की खेल प्रतिस्पर्धा में ट्रांसजेंडर्स को शामिल करने से रोकना और टैरिफ से जुड़े हो सकते हैं। इसके अलावा 2021 को अमेरिकी संसद पर हमले के दोषियों को माफ करना भी इनमें शामिल हो सकता है। वे बाइडेन के कई फैसलों को पलट सकते हैं. जिनमें पेरिस क्लाइमेट एग्रीमेंट, जीवाश्म ईंधन उत्पादन पर लगे प्रतिबंधों को हटाना और तेल की ड्रीलिंग शामिल है।

**क्या वाकई एक दिन के तानाशाह होंगे ट्रंप?:**
राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप ने कई मौकों पर ये बात दोहराई थी कि वह एक दिन का तानाशाह बनकर पहले ही दिन कई बड़े फैसले लेंगे। उन्होंने शपथ लेने के बाद अपने एक दिन के एजेंडे को लेकर पिछले महीने कहा था कि वह सिंपल मोटो के साथ चार साल तक शासन करना पसंद करेंगे और उनका मोटो होगा- देश की सेवा करना और इसके लिए कोई भी कदम उठाने से नहीं हिचकिचाना।

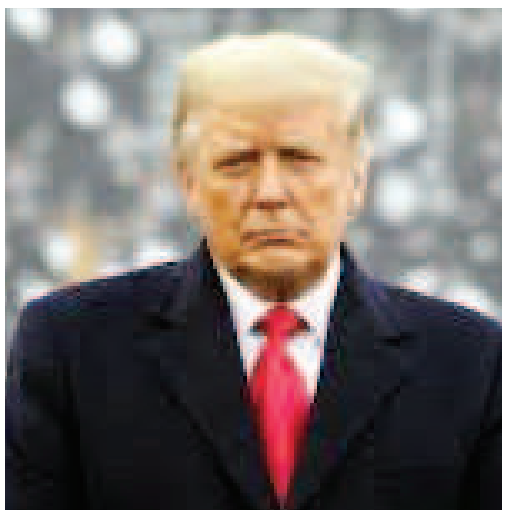

### सत्ता हस्तांतरण से कर चुके इंकार!

2020 के राष्ट्रपति चुनाव में बाइडेन के हाथों ट्रंप को जब हार का सामना करना पड़ा था तो ट्रंप ने व्हाइट हाउस खाली करने से इनकार व सत्ता हस्तांतरण से भी इनकार किया था। लेकिन दबाव बढ़ने के बाद ट्रंप ने अपने समर्थकों की एक रैली बुलाई और इस उन्होंने कैपिटल हिल यानी अमेरिकी संसद पर हमला करने के लिए कथित तौर पर उकसाया था।

## पिता ने कहा-कुछ कमाना शुरू करो तो बेटा अकेले बैंक लूटने पहुंच गया

कानपुर, एजेंसी

अपने युवा बेटे को देखकर हर पिता उसे पैसा और नाम कमाने के लिए कहता ही है। लेकिन उत्तर प्रदेश के कानपुर में बीएससी के छात्र को अपने पिता की यह बात इतनी घर कर गई कि उसने एकदम से पैसा कमाने के लिए बैंक लूटने का ही प्लान बना डाला। इसके लिए उसने यूट्यूब पर वीडियो देखने शुरू किए और अकेले दम पर बैंक लूटने की योजना बना ली।

लेकिन बैंककर्मियों के हाथों दबोचा गया। बताया जाता है कि तमंचा, चाकू, सर्जिकल ब्लेड लेकर साइकिल से बैंक लूटने पहुंचे युवक की यही हकीकत पुलिस की जांच में अभी तक सामने आई है। हैरानी की बात यह है कि पकड़े जाने पर आरोपी को कोई ज्यादा अफसोस नहीं है, बल्कि वह पूरी अकड़ दिखाते हुए जेल गया।

दरअसल, कानपुर में यह युवक साइकिल से घाटमपुर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पतारा ब्रांच के बाहर पहुंचा था। जब गार्ड ने रोका तो उसने चाकू से गार्ड के ऊपर हमला कर दिया। बाद में बैंक कर्मियों ने उसे रस्सी से बांधा। उसे भी चोटें आई व बेहोश हो गया। बाद में होश आने पर जब पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की और उसके मोबाइल फोन की जांच की तो सारी जानकारी सामने आई। दरअसल, लविश मिश्रा नाम का यह युवक बीएससी थर्ड ईयर के साथ-साथ आईटीआई भी कर रहा है। वह एकदम से पैसा कमाना चाहता था, इसलिए उसने बैंक लूटने की योजना बनाई।

## गिफ्ट बैग देकर हमास ने बंधकों को आजाद किया

**तेल अवीव.** गाजा में कल से लागू युद्धविराम होने के बाद सबसे पहले हमास ने तीन इजरायली महिला बंधकों को रिहा किया। इस दौरान खास बात यह रही कि गाजा पट्टी से रिहा तीनों बंधकों को हमास ने रेड क्रॉस को सौंपे जाने से पहले 'गिफ्ट बैग' भी दिए। आईडीएफ की ओर जारी किए गए वीडियो और तस्वीरों में गाजा की कैद से छूटी बंधकों रोमी गोनेन, एमिली डमारी और डोरोन स्टीनब्रेचर को इन 'गिफ्ट बैग' को पकड़े हुए और इनको खोलकर दिखाते भी देखा गया।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, हमास की ओर से दिए गए इन बैग में हमास की कैद के दौरान की उनकी कुछ तस्वीरें और एक मोमेंटो शामिल है। हमास ने कथित तौर पर तीनों महिलाओं को गाजा में बिताए उनके वक्त की यादगार के तौर पर ये गिफ्ट दिया है।

## भाजपा अध्यक्ष का फैसला अब दिल्ली चुनाव के बाद

भोपाल/नई दिल्ली.दोपहर मेट्रो

भाजपा को जल्द ही नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलने जा रहा है। संगठन को फरवरी तक चयन प्रक्रिया पूरी करना है। यदि कोई नया घटनाक्रम नहीं हुआ तो दिल्ली में वोटिंग के तत्काल बाद नए अध्यक्ष के नाम का ऐलान होगा। दिल्ली में 5 फरवरी को विधानसभा चुनाव की वोटिंग व 8 फरवरी को नतीजे आने हैं। फिलहाल भाजपा ने पूरा फोकस दिल्ली चुनाव पर रखा है। उधर मप्र में नया अध्यक्ष चुनने के पहले शीर्ष स्तर पर मंथन हो चुका है। हालांकि, अभी तक सिर्फ चार राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों का ही चुनाव हुआ है। पार्टी संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए कम से कम 50 प्रतिशत राज्य इकाइयों में संगठन के चुनाव पूरे होने जरूरी हैं। संगठन का कहना है कि महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा चुनावों के कारण सदस्यता अभियान देर से शुरू हुआ है। फिलहाल, जेपी नड्डा ने अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। नड्डा का कार्यकाल पिछले साल जनवरी में ही समाप्त हो गया था, लेकिन लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उनका कार्यकाल बढ़ाया गया था। मप्र में भी यही स्थिति रही।

## सौरभ विदेश में नहीं, बेंगलुरू के आसपास!

भोपाल.दोपहर मेट्रो

परिवहन विभाग के करोडपति पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा को गायब हुए अब एक माह बीत गया है। बीते 19 दिसंबर को लोकायुक्त ने भोपाल की अरेरा कालोनी स्थित उसके दो घरों पर छापा मारा था। इसके बाद आयकर और प्रवर्तन निदेशालय की भी मामले में एंट्री हो चुकी है लेकिन सौरभ के हाथ न आने से सारी जांच के %अंतिम निष्कर्ष% अभी तक नहीं मिल पा रहे हैं। इस मामले के बाद सौरभ के लिये लुकआउट नोटिस भी जारी हो चुका है। सूत्रों का कहना है कि अब जांच एजेंसियों को लगने लगा है कि सौरभ देश में ही कहीं छिपा है। यह भी खबरें हैं कि वह बेंगलुरू की दो मोबाइल सिम का उपयोग कर रहा है। इसके जरिये वह परिजनों और अपने करीबियों के संपर्क में है। दरअसल भोपाल के पास मेंडोरी के जंगल में विनय हासवानी के फार्म हाउस पर मिली कार में 52 किलो सोना और 10 करोड़ से अधिक नकदी मिलने के बाद यह मामला और बड़ा व सनसनीखेज हो गया है। चर्चा यह भी है कि ऐसी दो कारें और भी थीं जो गायब हो गई। इधर सौरभ की मां उमा शर्मा कह चुकी है कि सौरभ कहीं नहीं भागा है। वह जल्द वापस आएगा। उसके दोनों बच्चे मेरे पास हैं। लोकायुक्त पुलिस ने भी कोर्ट में बताया था कि सौरभ और उसकी पत्नी संभवतः दुबई में हैं।

## अफसर की रंगीन मिजाजी पर भड़की कलेक्टर सौम्या

**टोंक.** राजस्थान की टोंक कलेक्टर सौम्या झा ने जिले में एक अधिकारी को उनकी रंगीनमिजाजी पर निशाने पर ले लिया है। सौम्या ने नगर परिषद के इस अधिकारी के खिलाफ स्वायत्त शासन विभाग को कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा है। दरअसल, ट्रांसफर होकर आया, यह नया अधिकारी एक महिला कर्मचारी को देर रात फोन पर फालतू बात कर परेशान कर रहा था। इस दौरान जब महिला कर्मचारी ने उसे टोका, तो अधिकारी ने महिला को सस्पेंड करने की धमकी दे डाली।

### मेट्रो एंकर

### एक्सपर्ट बोले -70फीट ऊंचे रहे होंगे मंदिर

## खुदाई में हजार साल पुराने 7 शिव मंदिरों का समूह मिला

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

राज्य पुरातत्व विभाग ने दमोह जिले में कल्चुरीकाल में बने सात मंदिरों का समूह खोजा है। यह ऐतिहासिक मंदिर मिट्टी के टीले के नीचे दबे थे। तेंदूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत पाठादो के दोनी गांव में मिला सात मंदिरों का यह समूह नौवीं सदी के आसपास का बताया जा रहा है। खजुराहो के मंदिर भी इसके समकालीन रहे हैं लेकिन यह मंदिर चंदेल राजाओं ने बनवाए थे। दोनी में मिले मंदिर कल्चुरी कालीन हैं। माना जा रहा है कि यह युवराज देव के शासनकाल के रहे होंगे। पुरातत्व विभाग आयुक्त उर्मिला शुक्ला के मुताबिक दोनी गांव में करीब तीन महीने से खुदाई चल रही है, अभी यहां और काम होगा। तेंदूखेड़ा पर्यटन और प्राचीन धरोहर के लिए प्रदेश भर में जाना जाता है। यहां आज भी राजा महाराजाओं के किले और मठ बने हुए हैं लेकिन अनदेखी के कारण वे खंडहर का स्वरूप लेते जा रहे हैं।

पुरातत्व विशेषज्ञ डॉ. रमेश यादव के मुताबिक यदि किसी साइट से मंदिर के 80 प्रतिशत तक पत्थर या संबंधित अवशेष मिलते हैं तो उन्हें जोड़कर नए सिरे से

मंदिर बनाया जा सकता है। क्षेत्र में मिली प्रतिमाएं दुर्गावती संग्रहालय जबलपुर और दमयंती संग्रहालय दमोह में भी रखी गई हैं। ब्लॉक के अंतर्गत आने वाली 62 ग्राम पंचायत में से कुछ ग्राम पंचायतों में पुरातत्व विभाग की प्राचीन धरोहरें हैं, इन बिखरी पड़ी धरोहरों की कलाकृतियां एवं नक्काशी देखते ही बनती है। हालाकि जबेरा विधायक एवं संस्कृति एवं धर्मस्य राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी इस कार्य को लगातार करा रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक इन मंदिरों के जमींदोज होने के पीछे आक्रमण, मौसम या आसपास के लोगों द्वारा क्षति पहुंचाना आदि कारण हो सकते हैं। डॉ. यादव बताते हैं कि मंदिर के कई हिस्से चोरी हो गए हैं। कई लोगों ने तो घरों में यहां के पत्थर लगा लिए हैं। यहां से श्री गणेश, शिव, अर्द्धनारीश्वर सहित करीब 35 प्रतिमाएं मिली हैं। जिन्हें सहेजा जा रहा है।

### कई पत्थर मौके से गायब

वहीं इन मंदिरों में लगे पत्थर स्थानीय सेंड स्टोन हैं लेकिन उनकी बनावट और ऊंचाई अलग है। माना जा रहा है कि जो मंदिर खुदाई में मिले हैं, उनकी ऊंचाई 70 फीट रही होगी। पुरातत्व विभाग की टीम का मानना है कि कल्चुरी शासनकाल के इन मंदिरों को लोकल स्थानीय लोगों द्वारा नुकसान पहुंचाया गया है। मंदिरों और मठों में लगे कई पत्थर मौके से गायब है। मंदिरों की भव्यता का अंदाजा इसी से लगता है कि इनमें से एक मंदिर के पत्थर की प्लिंथ जमीन से ढाई मीटर ऊंची है। अनुमान है कि मंदिर की ऊंचाई करीब 70 फीट ऊंची रही होगी। यह मंदिर स्थानीय सेंड स्टोन से बने हुए थे।

# खतरनाक तारों का जाल

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।** शहर के वार्ड नंबर 74 के भानपुर क्षेत्र में बिजली के तारों का जाल बिछा हुआ है। वहीं सैकड़ों मीटर एक ही खंबे पर टंगे हुए हैं।

### मेट्रो लाइन और सड़क निर्माण के चलते पिछले कुछ महीनों से लग रहा जाम

# करोंद से हमीदिया रोड तक सर्विस रोड व फुटपाथ जर्जर, चलना तक मुश्किल

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

करोंद चौराहे से हमीदिया रोड तक मेट्रो लाइन और सड़क निर्माण के चलते पिछले कुछ महीनों से जाम लग रहा है। करीब एक लाख वाहन व पैदल चलने वाले यहां से रोजाना जाम से जूझते हुए निकलने को मजबूर है। मेट्रो लाइन का काम तो यहां लम्बे समय तक चलना है। इसके बाद भी जिम्मेदारों ने इसके फुटपाथ के टूटे चैम्बर,अतिक्रमण, सर्विस सड़क को आवागमन के लिए दुरुस्त नहीं किया है। जिसके चलते दुर्घटनाएं भी आय दिन इस मार्ग पर हो रही हैं।

लोगों का कहना है कि फुटपाथ और सर्विस सड़क दुरुस्त हो जाएं तो 50 फीसदी राहत मिल सकती है, लेकिन कोई इस ओर नहीं दे रहा है। जिसके चलते करीब आठ छह किलोमीटर इस मुख्य मार्ग के करीब आधा दर्जन चौराहे नादरा बस स्टैंड चौराहा, भोपाल टॉकीज चौराहा, सिंधी कॉलोनी चौराहा, डीआईजी चौराहा और करोद चौराहे पर सबसे अधिक जाम लग रहा है। सैकड़ों ई-रिक्शा करोंद से हमीदिया रोड मार्ग पर चल रहे हैं। वह कहीं भी सवारी के लिए रिक्शा रोककर खड़े हो जाते हैं।

## यहां अधिक दिक्कतें, चौराहों पर लगता बाजार

इस मार्ग के सभी मुख्य चौराहे उस क्षेत्र का बाजार है, जहां स्थायी दुकानों के साथ गुमठी, ठेले वालो से लेकर फुटपाथ तक पर लोग दुकानें लगाकर बैठते हैं। इतना ही नहीं स्थायी दुकानदारों तक ने फुटपाथ और सर्विस सडक़ तक दुकानों को आगे बढ़ा रखा है। जिसके चलते सकरी सड़क पर वाहनों से लेकर पैदल चलने वालों के कारण जाम की स्थिति है।

## यहां अधिक परेशानी

**करोंद** चौराहे से निशातपुरा ब्रिज तक मेट्रो लाइन के शेड लगे हैं। एक साल पहले बने फुटपाथ को एक फीट ऊंचा करने से रास्ता दस फिट ही आवागमन के लिए है। यहां फुटपाथ से लेकर बीच में खाली डिवाइडर पर लोग दुकानें लग रही हैं।

**डीआईजी** चौराहे से सिंधी कॉलोनी तक लगे मेट्रो शेड के दोनों ओर सर्विस सडक़ पर अतिक्रमण और नाले पर बने पाथ-वे पर चैम्बर अधिकांश टूटे व खुले पड़े हैं। आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

**हमीदिया** रोड पर बीच की सडक़ तो एक फीट मोटी सीमेंट कांक्रीट की बनी, लेकिन दोनों साइड के फुटपाथ बने नहीं हैं। दुकानें भी एक फीट नीचे हो गई है। जिससे पूरा मार्ग पर दिनभर जाम लगा रहता है।

# भोज विवि परिसर में जंगल में हो रही कटाई, जिम्मेदार आंख मूंदे बैठे

## नजर आ रहे हैं बड़ी संख्या में पेड़ों के नए और पुराने ठूंठ, नहीं थम रही कटाई

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

राजधानी स्थित करीब भोज मुक्त विश्वविद्यालय के परिसर में पेड़-पौधों की अवैध रूप से कटाई की जा रही है। भोज विवि का परिसर करीब 100 एकड़ में फैला हुआ है। इसमें लगभग 50 एकड़ की जमीन वन विभाग की है। यहां बड़े क्षेत्र में बड़ी संख्या में कटे हुए पेड़ों के नए और पुराने ठूंठ देखे जा सकते हैं। बताया जा रहा है कि नदी वाले हिस्से में लंबे समय से कटाई चल रही है। इनकी संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है, लेकिन इस तरफ न तो विवि प्रशासन ध्यान दे रहा है और न ही वन विभाग ने इस पर कोई कार्यवाही की है। बताया जा रहा है कि यहां कोलार के सर्वधर्म पुल से विवि के मेन गेट तक काफी बड़े हिस्से में बाउंड्रीवॉल सिक्सलेन निर्माण के चलते तोड़ दी गई है। इसी का फायदा पेड़ों की कटाई करने वाले उठा रहे हैं। बांउडरी वाल टूटने के कारण पेड़ों को काटने पशु-पक्षियों के जीवन पर खतरा पैदा हो गया है।

# जूडा ने कहा- ग्रामीण क्षेत्रों में बॉन्डेड डॉक्टरों की हो वेतनवृद्धि

**भोपाल।** जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जूडा) ने मांग की है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बॉन्डेड डॉक्टरों के मासिक वेतन में वृद्धि की जाए। इसको लेकर जूडा अध्यक्ष डॉ. कुलदीप गुप्ता ने बीते दिनों उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बॉन्ड के तहत ड्यूटी करने वाले चिकित्सकों को वर्तमान में 59 हजार मासिक वेतन मिलता है, जबकि मेडिकल कॉलेजों में कार्य करने वाले सीनियर रेसिडेंट को 88 हजार मिलता है। इसके अलावा ग्रामीण इलाकों में ड्यूटी कर रहे डॉक्टरों को आवास की सुविधा भी नहीं मिलती है। डॉ. गुप्ता के अनुसार स्पेशलिस्ट डॉक्टरों को भी आवास सुविधाएं नहीं हैं। डॉक्टरों के लिए सुरक्षा व्यवस्था की भी कमी है। यह एक वजह है कि डॉक्टर ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा देने से कतराते हैं। इन सभी विषयों पर उप मुयमंत्री के सुझावों को क्रियान्वयन करने के लिए सहमति प्रदान की है। साथ ही भरोसा दिया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

# माता-पिता और गुरूजनों के आशीर्वाद से ही सफल होता है जीवन : सिद्धभाऊ

## केवलराम चैनराय पब्लिक स्कूल में आशीर्वाद समारोह

**हिरदाराम नगर.** शहीद हेमू कालानी एज्युकेशन सोसायटी द्वारा संचालित केवलराम चैनराय पब्लिक स्कूल में आशीर्वाद समारोह आयोजित किया गया, जिसमें माध्यमिक पढ़ाई पूरी करने वाले विद्यार्थियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। विद्यार्थियों को टाइटल्स एवं समूह फोटोग्राफ दिए गए। समारोह में बच्चों का मार्गदर्शन करने सोसायटी के अध्यक्ष सिद्धभाऊजी भ्झी पहुंचे। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने संस्कारों से जुड़े रहने और जीवन में सदाचरण को बरतने का आव्हान किया। साथ ही भाऊजी ने कहा कि माता-पिता एवं गुरुजनों का आदर-सम्मान करना, अच्छी संगति रखना, समय का सदुपयोग करना और अपने जीवन को जीवन पर्यंत सुखी, संपन्न व स्वस्थ बनाएं रखना हमारा नैतिक दायित्व है। संस्था के सचिव घनश्याम बूलचंदानी और अकादमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने जीवन की हर परिस्थिति में उचित निर्णयों द्वारा अपने कार्यों को पूर्ण करने की समर्थता होनी चाहिए। प्राचार्या सुमन विश्वकर्मा ने भी अपने विचार रखे।

**मेट्रो एंकर** शोभायात्रा में शामिल हुए अयोध्या से वत्स महाराज, जगह-जगह पुष्पवर्षा से हुआ भव्य स्वागत

# नगर भ्रमण पर निकले श्रीराम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी

**हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।**

सैनिक कॉलोनी स्थित नुक्कड़ वाली माता मंदिर पर 17 जनवरी से 23 जनवरी तक श्री हनुमान महाराज और श्रीराम दरबार मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन चल रहा है। जहां आयोजन के तीसरे दिन रविवार को कार्यक्रम के ब्रम्हा हरिशंकर तिवारी, उज्जैन महाकाल से आचार्य चेतन्य स्वरूप महाराज, पंडित मिथुन शर्मा, पंडित जीवन प्रसाद तिवारी, पंडित दीपक मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ विधि विधान से पूजन सम्पन्न करवाई। इस दिन आवाहित देवता पूजन, प्रधानदेवता, शांति होम, वस्त्राधिवास, मूर्तिमहास्नापन सहस्त्रकलशों द्वारा अभिषेक किया गया। इसके बाद शोभा यात्रा निकाली गई। श्रीराम, सीता, लक्ष्मण जी और श्री हनुमान महाराज जी को नगर भ्रमण कराया गया। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश रखकर शामिल हुई। शोभा यात्रा नुक्कड़ वाली माता मंदिर से प्रारंभ हुई और शहर के प्रमुख मार्ग से होते हुए काली मंदिर से वापस नुक्कड़ वाली माता मंदिर पहुंची जहां पर भव्य स्वागत किया गया। अखाड़ा, इन्दौर के नवरंग ताशे, बैंड बाजे, डीजे और हनुमान महाराज की विशाल प्रतिमा आर्कषण का केन्द्र रही।

**अयोध्या से वत्स महाराज सहित अनेक संत महात्मा हुए शोभा यात्रा में हुए शामिल:** शोभा यात्रा में अलग-अलग जगहों से संत महात्मा और कथा वाचक शामिल हुए। अयोध्या से वत्स महाराज, वृंदावन धाम राधा माधव सेवा संस्थान के प्रमुख चतुरनारायण शास्त्री वान प्रस्थ धाम, उज्जैन महाकाल से आचार्य चैतन्य स्वरूप महाराज, गुफा मंदिर भोपाल से आचार्य श्याम महाराज, आचार्य लेखराज शर्मा, आचार्य डॉ. रामकुमार देवलिया, आचार्य डॉ. रमेश त्रिपाठी, कथा वाचक निधि किशोरी, भोले के दरबार से मुकेश महाराज, हीरो हिन्दू आदि शामिल हुए। इसके अलावा कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के नेता विशाल पुरोहित, पूर्व जिला पंचायत सदस्य व कांग्रेस कमेटी के प्रदेश के सचिव विष्णु विश्वकर्मा, राजेश हिंगोरानी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

**समस्त समस्याओं को दूर करने का साधन भगवान का स्मरण-वत्स महाराज:** अयोध्या से पधारे वत्स महाराज ने श्रद्वालुओं को कहा कि जीवन में भगवत नाम संकीर्तन का बहुत महत्व है। अगर हम अपने जीवन में सभी प्रकार की समस्याओं सभी प्रकार की वाधाओं को दूर करना चाहते हैं तो एक मात्र साधन है भगवान का स्मरण, भगवान का नाम जप, नाम संकीर्तन। जैसे हमारे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण वस्तु होती है जिसे हम बहुत संभाल कर रखते है ऐसे ही भगवान का नाम अति महत्वपूर्ण है। श्री मद भागवत कथा पुराण के अंतिम श्लोक में भी यही व्याख्या है कि नाम संकीर्तन। इस नाम से हम जीवन की सभी समस्याओं से छुटकारा पा सकते है। जहां भगवान की भक्ति होती है वहां जरूर जाना चाहिए, सत्संग जो परमात्मा से जुड़ा हुआ है।

# शैक्षिक सम्मेलन में शिक्षा के साथ संस्कार पर जोर

**हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।**

प्रांतीय सम विचारी विद्यालय शैक्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन के दूसरे सत्र में 'शिक्षा के वैज्ञानिक दृष्टिकोण बालक का पंचकोशीय विकास' विषय पर चर्चा हुई। मुख्य वक्ता डॉ. निलाभ तिवारी थे। अध्यक्षता संस्कार विद्यालय संतनगर के सचिव बसंत चेलानी ने की। सम्मेलन में कहा गया कि शिक्षा के साथ बच्चों में संस्कार का रोपण करना भी जरूरी है। किताबी ज्ञान के साथ नैतिक शिक्षा, विभिन्न गतिविधियों आयोजित कर समग्र विकास के प्रयास होने लगे हैं। विद्यालय से ज्ञानवान विद्यार्थी के साथ देश के लिए जिम्मेदार नागरिक निकले यह देखना शिक्षक-शिक्षिकाओं की जिम्मेदारी है। सम्मेलन में नवयुवक सभा के सचिव सुरेश राजपाल, संस्कार स्कूल के कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य दिनेश, विवके शर्मा, कन्हैयालाल मोटवानी, संस्कार विद्यालय के प्राचार्य आर.के. मिश्रा शिक्षक संतोष बालचंदानी व अन्य प्रमुख रूप से मौजूद रहे। सम्मेलन में विद्यालयों में किए जा रहे नवाचार एवं गतिविधियों की जानकारी प्राचार्यों ने रखी। सम्मेलन के निष्कर्षों को अध्ययन और अध्यापन में लागू करने का संकल्प लिया गया।

# स्कूलों की संख्या में मप्र का देश में दूसरा स्थान 99% में शौचालय, 87.9% स्कूलों में आई बिजली

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्कूलों की संख्या में देश में मप्र का दूसरा स्थान रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा हाल में जारी यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इनफार्मेशन सिस्टम (यूडीआई) फॉर एजुकेशन प्लस रिपोर्ट में देश के सरकारी स्कूलों की अधोसंरचना पर जारी रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया है।
रिपोर्ट में सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त, निजी और अन्य स्कूलों में 2014 की स्थिति और वर्तमान स्थिति का तुलनात्मक आकलन किया गया है। इसमें मध्यप्रदेश के स्कूलों का बेहतर प्रदर्शन प्रदर्शित हुआ है।
रिपोर्ट के अनुसार मप्र के 92,439 सरकारी स्कूलों में से 85,333 में हाथ धोने की सुविधा है। इस प्रकार 92.3 प्रतिशत स्कूलों में यह सुविधा है। इसी प्रकार 91749 सरकारी स्कूलों में यानी 99 प्रतिशत स्कूलों में शौचालय सुविधा है। बेटियों के लिए 91,184 स्कूलों में से 89,439 स्कूलों में यानी 98.1 प्रतिशत स्कूलों में अलग से शौचालय की सुविधा है। बालकों के लिए 90,351 में से 88,449 स्कूलों यानी 97.9 प्रतिशत स्कूलों में शौचालय सुविधा है। पेयजल की सुविधा 92439 में से 92081 में यानी 99.6 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में है। बिजली की उपलब्धता 81278 स्कूलों यानी 87.9 प्रतिशत स्कूलों में उपलब्ध है।

## मप्र में 1.23 लाख से अधिक स्कूलों में पढ़ रहे 1.53 करोड़ विद्यार्थी

रिपोर्ट के अनुसार मप्र में सरकारी, निजी और सरकारी सहायता प्राप्त 1,23,412 स्कूल हैं, जिनमें एक करोड़ 53 लाख 61 हजार 543 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। इन स्कूलों में शिक्षकों की संख्या 6 लाख 39 हजार 525 है। इनमें सरकारी स्कूल 92,439 हैं और सरकारी सहायता प्राप्त 581 और निजी 28,910 और अन्य 1482 हैं। इनमें से 39.4 प्रतिशत स्कूल प्रिपेरेटरी या फाउंडेशनल है, जबकि 35.7 प्रतिशत मिडिल स्कूल और 14.9 प्रतिशत हायर सेकेंडरी स्कूल है। शिक्षकों की उपलब्धता के मान से 21.02 प्रतिशत फाऊंडेशनल स्कूलों में, 37.9 प्रतिशत मिडिल स्कूलों में और 40.9 प्रतिशत सेकेंडरी स्तर के स्कूलों में कार्यरत है।

## 30284 स्कूलों में लैपटॉप का उपयोग हो रहा

दिव्यांग बच्चों के लिए फिलहाल 13,810 स्कूलों में शौचालय सुविधा उपलब्ध है। 91,664 स्कूलों में रैम्प सुविधा और 30925 में रैम्प के साथ हैंडरेल की सुविधा है। डेस्कटॉप और पर्सनल कंप्यूटर की सुविधा 6294 स्कूलों में है। इसे ब?ाया जा रहा है। इसके अलावा 30284 स्कूलों में लैपटॉप का उपयोग हो रहा है। वर्तमान में 10756 स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम है, जिनमें डिजिटल बोर्ड्स, स्मार्ट बोर्ड, वर्चुअल क्लासरूम, स्मार्ट टीवी उपलब्ध है और 15292 स्कूलों में मोबाइल फोन का उपयोग शिक्षक प्रशिक्षण के लिए हो रहा है और 823 स्कूलों में डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा है। किचन गार्डन की सुविधा 17174 स्कूलों और 11697 स्कूलों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की सुविधा उपलब्ध है। सेकेंडरी स्तर के 9484 स्कूलों में से 4974 में इंटीग्रेटेड साइंस लैब उपलब्ध है। सोलर पैनल 4718 स्कूलों में लगे है। सभी स्कूलों में 5 करोड़ 33 लाख किताबें लाइब्रेरी एवं बुक बैंक में उपलब्ध है।

## कंप्यूटर की सुविधा 37,593 यानी 40.7 प्रतिशत स्कूलों में है

रिपोर्ट के अनुसार, लाइब्रेरी बुक बैंक और पढ़ने के लिए स्थान की सुविधा प्रदेश के 92343 स्कूलों में उपलब्ध है। अकादमिक सत्र के दौरान चिकित्सीय परामर्श एवं जांच की सुविधा 92343 में से 67083 स्कूलों में उपलब्ध है। कंप्यूटर की सुविधा 37,593 यानी 40.7 प्रतिशत स्कूलों में है। इंटरनेट की सुविधा स्कूलों में तेजी से स्थापित हो रही है। फिलहाल 92,439 में से 29,900 में उपलब्ध है।

## मुख्यमंत्री ने दिए उत्कृष्ट राज्य बनाने के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को उत्कृष्ट राज्य बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्य योजना और रणनीतियां बनाने के निर्देश दिये हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय स्कूल शिक्षा व्यवस्था दुनिया में सबसे ब?ा शिक्षा नेटवर्क है। स्कूलों के इस विशाल डाटाबेस के प्रबंधन के लिए केन्द्र सरकार ने यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉरमेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस बनाया है। इसमें स्कूलों से संबंधित आंकड़ों को ऑनलाइन अपलोड किया जाता है। कई स्तरों पर आंकड़ों की शुद्धता का परीक्षण किया जाता है। यह कार्य ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर होता है। यह वन नेशन-वन डाटाबेस की अवधारणा है।

## मुर्गी-बकरी पालन और मवेशी प्रबंधन में प्रदेश ने मारी बाजी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मुर्गी व बकरी पालन और मवेशियों के लिए चारा प्रबंधन में मप्र ने अन्य राज्यों की तुलना में अच्छा काम किया। केन्द्रीय पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने पुणे की उद्यमिता विकास कॉन्क्लेव में बेस्ट परफॉर्मिंग का अवार्ड दिया। राज्यमंत्री लखन पटेल ने बताया कि प्रदेश में आए 4,800 आवदेनों में से 530 प्रकरणों में 387.23 करोड़ बैंकों से स्वीकृत कर केंद्र सरकार ने 450 प्रकरणों में 155.36 करोड़ दिए हैं। इसमें 250 को प्रथम और 32 को द्वितीय किश्त की अनुदान राशि प्राप्त हो चुकी है, जो देश में सर्वाधिक है।

### इनके कार्यों को समान

कार्यक्रम में भोपाल के जीत सिंह सिसोदिया व हरदा के नवनीत जैन को चारा उत्पादन, राजगढ़ की शोभा दांगी व शाजापुर के निमिश चावड़ा को बकरी पालन, कटनी के यशपाल खन्ना को मुर्गी पालन में उत्कृष्ट उद्यमी और बदनावर (धार) की एबिस इंडिया प्रालि को पशु आहार श्रेणी में, इंदौर के सांवेर की बेकरविले स्पेशलिटिस प्रालि को दुग्ध प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन में उत्कृष्ट कार्य पर समानित किया।

# प्रदेश में 7 हजार 929 शिक्षकों की होगी भर्ती, कार्यक्रम हुआ जारी

**28 जनवरी तक होंगे आवेदन, 16 फरवरी तक कर सकेंगे संशोधन, 20 मार्च को होगी परीक्षा**

## कर्मचारी चयन मंडल ने प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा के लिए जारी की नियमावली

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र कर्मचारी चयन मंडल ने स्कूल शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग में कुल 7929 शिक्षकों की भर्ती को लेकर परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग में 7082 और जनजातीय कार्य विभाग में 847 पदों पर भर्ती की जाएगी। आवेदन प्रक्रिया 28 जनवरी से शुरू होगी, जो 11 फरवरी 2025 तक चलेगी। अभ्यर्थी 16 फरवरी तक अपने आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। 20 मार्च से यह परीक्षा दो पाली में आयोजित की जाएगी। पहली पाली सुबह 9 से 11 बजे और दूसरी पाली दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा केंद्र भोपाल, बालाघाट, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, खंडवा, नीमच, रतलाम, रीवा, सागर, सतना, सीधी व उज्जैन में रहेंगे। इस परीक्षा में 80 हजार से अधिक उम्मीदवारों के शामिल होने की संभावना है।

### इन पदों पर होगी भर्ती

भर्ती में स्कूल शिक्षा विभाग के लिए माध्यमिक शिक्षक-खेल, संगीत (गायन-वादन) और प्राथमिक शिक्षक खेल, संगीत एवं नृत्य के पद शामिल हैं। इसके अलावा जनजातीय कार्य विभाग में माध्यमिक शिक्षक विषय और प्राथमिक शिक्षक खेल, संगीत एवं नृत्य के पदों पर भर्ती की जाएगी।

## आयु सीमा में वृद्धि, कोरोना काल के दौरान दी छूट समाप्त

कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) ने वर्ष 2025 में आयोजित होने वाली प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा के लिए नियमावली जारी कर दी है। दिशा-निर्देश भी वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। मप्र सरकार ने अतिथि शिक्षकों को ब?ा लाभ देते हुए शिक्षक चयन परीक्षा के लिए उनकी आयु सीमा में वृद्धि की है। प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा के लिए आयु सीमा नौ साल बढ़ा दी गई है। अब सामान्य वर्ग के पुरुष 49 वर्ष तक और महिला 54 वर्ष की आयु तक आवेदन कर सकेंगी। अतिथि शिक्षकों के लिए 50 प्रतिशत सीटें भी आरक्षित रहेंगी। सरकारी स्कूलों में इस वर्ष 10,758 माध्यमिक शिक्षकों की भर्ती होगी। कोरोना काल के दौरान हर परीक्षा में दी जा रही तीन वर्ष की आयु सीमा में छूट को इस चयन परीक्षा में समाप्त कर दिया गया है।

## ई-ऑफिस लागू करने वाली बिजली कंपनी के पांच वर्ष पूरे

**भोपाल.** मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने समूचे कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत कॉर्पोरेट से लेकर मैदानी दफ्तरों में ई-ऑफिस प्रणाली से काम करना पांच वर्ष पूर्व शुरू किया था। अब ई ऑफिस प्रणाली की सफलता के पांच वर्ष पूर्ण हो गए हैं। कंपनी का दावा है कि ई-ऑफिस प्रणाली से उपभोक्ताओं के कार्य जल्दी निपट रहे हैं और कार्यालयीन कार्य में समय की बचत हो रही है।

# फिर आंदोलन पर बैठे अतिथि शिक्षक, रूल बुक की प्रति जलाई

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

उच्च माध्यमिक शिक्षक के शेष पदों पर 50 प्रतिशत आरक्षण और काउंसलिंग को सुनिश्चित कराने की मांग सहित विभिन्न मांगो को लेकर एक बार फिर अतिथि शिक्षकों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है। रविवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए अतिथि शिक्षक और उनके संगठन भोपाल के अंबेडकर मैदान में आंदोलन पर बैठ गए। अतिथि शिक्षकों का कहना है कि सरकार ने हमारे प्रदर्शन से दो दिन पहले रूल बुक जारी कर दी, जिससे कई शिक्षकों के प्रदर्शन में शामिल होने पर असर पड़ा। रूल बुक में आरक्षण का उल्लेख है, लेकिन बोनस अंकों का जिक्र नहीं किया गया, जिससे 15-16 साल से पड़ा रहे कई अतिथि शिक्षक प्रक्रिया से बाहर हो गए। अतिथि शिक्षकों ने सरकार द्वारा जारी रूल बुक को नई व्यवस्था के विरोध का प्रतीक मानते हुए अंबेडकर मैदान में जलाया।

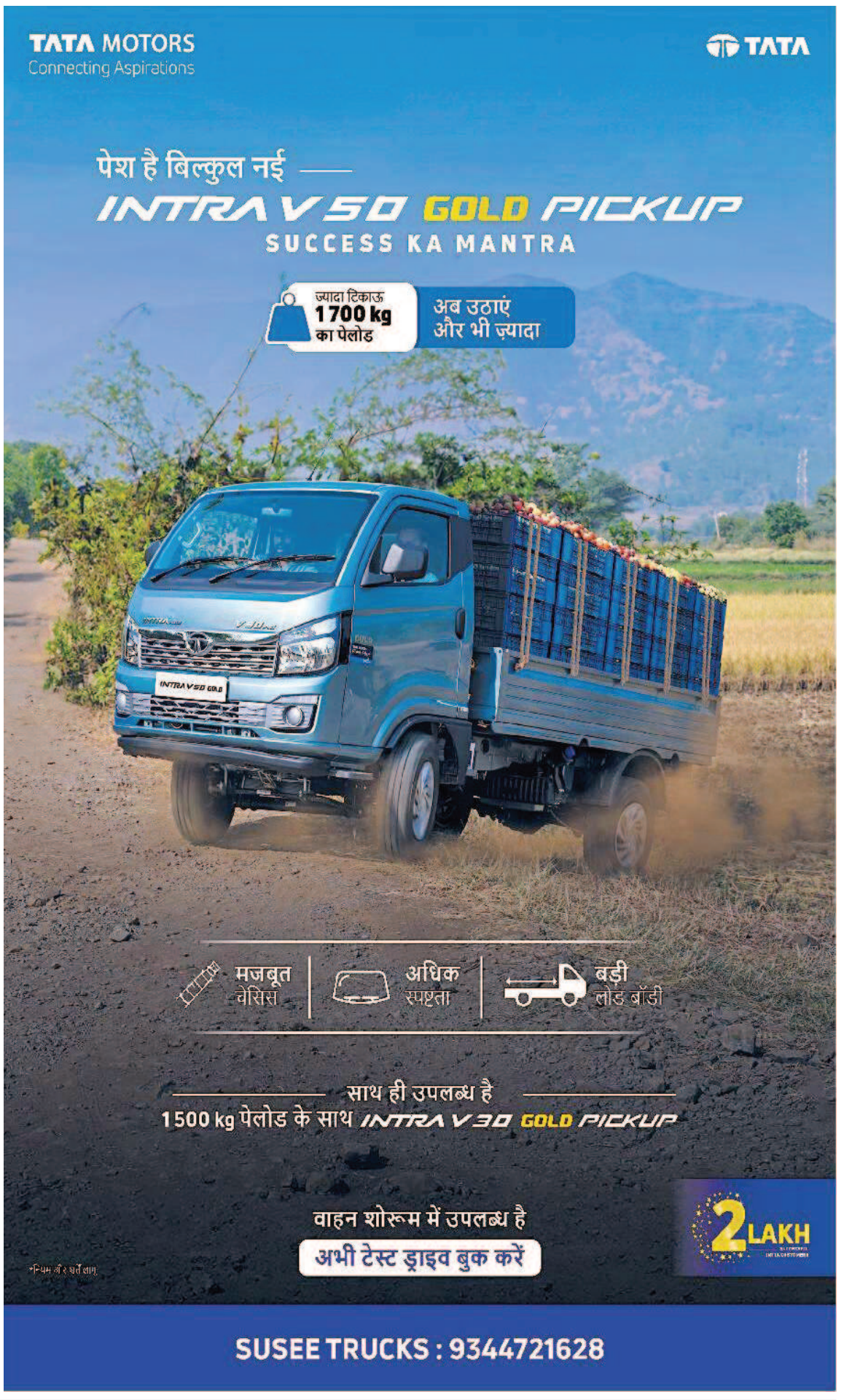


# शिक्षा दर्शन और जीवन दर्शन का समन्वय आवश्यक है : आरावकर

## शारदा विहार आवासीय विद्यालय में प्रांतीय समविचारी विद्यालय शैक्षिक सम्मेलन हुआ

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में योगदान देना होना चाहिए। छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय चरित्र निर्माण, सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना की शिक्षा देना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। यह बात विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्था के सह संगठन मंत्री श्रीराम आरावकर ने कही।
शारदा विहार आवासीय विद्यालय में विद्या भारती मध्यभारत द्वारा प्रांतीय समविचारी विद्यालय शैक्षिक सम्मेलन 2025 आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए अरावकर ने कहा कि शिक्षा दर्शन और जीवन दर्शन का समन्वय आवश्यक है। समविचारी विद्यालयों में चल रहे प्रयासों और नवाचारों को अन्य विद्यालयों एवं समाज के साथ साझा करना और अपनाना उपयोगी होगा। उन्होंने सरस्वती शिशु मंदिरों में छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियां की जानकारी भी देते हुए पंचपदी शिक्षण पद्धति और पंचकोशीय विकास के महत्व को रेखांकित किया। सम्मेलन में विद्या भारती मध्य क्षेत्र के क्षेत्र संगठन मंत्री भालचंद रावले, मध्य भारत प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री निखिलेश महेश्वरी, सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान भोपाल के अध्यक्ष मोहनलाल गुप्ता, सचिव शिरोमणि दुबे भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक चंद्रकांत त्रिपाठी ने भूमिका रखते हुए बताया कि शिक्षा के माध्यम से श्रेष्ठ नागरिकों के निर्माण, राष्ट्रीय चरित्र के विकास, और भारतीय संस्कृति के संवर्धन हेतु समविचारी विद्यालयों के साथ विचार-विमर्श के उद्देश्यम से यह सम्मेलन आयोजित किया गया।

### इन विषयों पर हुआ विचार-विमर्श

सम्मेलन में समविचारी विद्यालयों के प्रमुखों एवं शिक्षकों के साथ विभिन्नक विषयों पर विचार विमर्श किया गया। इनमें श्रेष्ठ नागरिकों का निर्माण, विद्यार्थियों का पंचकोशीय विकास (शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, सामाजिक, और आध्यात्मिक) करने की पद्धति, भारतीय संस्कृति का संवर्धन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का क्रियान्वयन, आत्मनिर्भरता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण आदि विषयों पर गहन चर्चा की गई एवं विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे।

### समविचारी विद्यालयों में किए जा रहे हैं नवाचार

कार्यक्रम में आए विभिन्न जिलों के समविचारी विद्यालयों के प्रमुखों और शिक्षकों ने अपने विद्यालयों में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी दी। प्रमुख रूप से बताया गया कि भिंड जिले में विद्यालयों में बैगलेस डे जैसी गतिविधियों के माध्यम से छात्रों में सृजनात्मकता और रुचि का विकास किया गया। दतिया में माध्यमिक स्तर पर कौशल विकास और छात्रों को पैतृक व्यवसाय से जो?ने का प्रयास किया गया। बैतूल में नशामुक्त भारत अभियान और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से छात्रों में नैतिकता का विकास किया गया। सिरोंज और हरदा में राष्ट्रभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व की शिक्षा के साथ छात्रों को प्रेरित किया गया।

## संपादकीय

# जंग का वास्तव में रुकना जरूरी

करीब डेढ साल से चल रही इजराइल और हमास के बीच जंग का युद्ध विराम निश्चित रूप से एक बड़ी उपलब्धि है, इसे रविवार से लागू कर दिया गया है लेकिन इसके लिये कुछ दिन रुककर असर देखना जरूरी है क्योंकि वास्तव में यह घोषणा यदि जमीन पर नहीं उतरेगी, तब तक फिर से जंग की आशंका बनी रहेगी। दरअसल, पिछले वर्ष मई के बाद कई बार तात्कालिक या अस्थायी युद्धविराम को लेकर पहलकदमी हुई, लेकिन फिर कुछ दिनों बाद हमलों में लोगों के मारे जाने की खबरें आती रहीं। जाहिर है, यह कुछ दिनों के लिए भी युद्ध को विराम देने को लेकर प्रतिबद्धता में कमी और शांति के प्रति उपेक्षा का भाव ही रहा कि अब तक इजराइली हमलों में फिलिस्तीनी लोगों के मारे जाने की खबरें आ रही हैं। मगर अब युद्ध विराम के सवाल पर इजराइल और हमास के बीच ताजा सहमति की खबर से इस बार शांति की राह तैयार होने की उम्मीद पैदा हुई है। फिलहाल समझौते का जो स्वरूप सामने आया है, उसके मुताबिक हमास की ओर से चरणबद्ध तरीके से इजराइली बंधकों और इजराइल में सैकड़ों फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, गाजा में विस्थापित लोगों को वापस लौटने की भी अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा, युद्ध से प्रभावित इलाकों में मानवीय सहायता पहुंचाने की व्यवस्था होगी। गौरतलब है कि मौजूदा युद्ध की शुरूआत सात अक्तूबर, 2023 को इजराइल पर हमास के उस हमले से हुई थी, जिसमें करीब बारह सौ लोग मारे गए थे। उसके बाद हमास को जवाब देने के नाम पर इजराइल के गाजा पर हमले को एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया माना गया था। मगर तब से लेकर पंद्रह महीने बीत चुके हैं और गाजा पर इजराइल का हमला लगातार जारी रहे। एक आंकड़े के मुताबिक, इजराइल के हमले में अब तक करीब पचास हजार लोग मारे गए हैं। गाजा में बीस लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं। यह पड़ताल का मसला है कि इजराइल के हमले में हमास के कितने सदस्य मारे गए और कितने आम लोगों को जान गंवानी पड़ी। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इस युद्ध में मारे गए आम लोगों में बड़ी संख्या बच्चों और महिलाओं की है, जिनका युद्ध से कोई वास्ता नहीं था। गाजा पर हमले के क्रम में अस्पताल, स्कूल और हमले से बचने के लिए पनाह लेने वाली जगहों को भी नहीं बख्शा गया। युद्ध को लेकर अंतर्राष्ट्रीयनियम-कायदों का भी कोई खयाल रखना जरूरी नहीं समझा गया। इस सबके लिए इजराइल पर जनसंहार और वहां के प्रधानमंत्री पर युद्ध अपराध का आरोप भी लगा% इजराइल और हमास के बीच युद्ध को खत्म कराने के लिए संयुक्त राष्ट्र से लेकर कई स्तर पर कोशिशें जारी थीं, मगर उसका कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकल पा रहा था। अब इतने लंबे समय के बाद अगर युद्धविराम पर दोनों पक्षों के बीच सहमति बन सकी है तो इस बात की कोशिश होनी चाहिए कि अब उसमें कोई अड़चन न खड़ी की जाए, उस पर अमल भी सुनिश्चित किया जाए और शांति निरंतरता में कायम हो। वैसे तो यह एक स्थापित हकीकत है कि किसी भी समस्या या विवाद का हल अंतहीन युद्ध नहीं हो सकता। संभव है कि इस युद्धविराम से इजराइल और फिलिस्तीन के बीच लंबे समय से चली आ रही कड़वाहट पूरी तरह खत्म न हो, मगर कितने भी जटिल मसले का हल आखिर संवाद के रास्ते से ही गुजरना ही पडता है। बहरहाल ऐसी स्थिति फिर नहीं पैदा होनी चाहिए कि एक ओर युद्ध विराम पर सहमति की घोषणा हो और दूसरी ओर हमले और उसमें लोगों का मारा जाना जारी रहे।

# महाकुम्भ पर मठों और शंकराचार्यों की राजनीति की झलक दिलचस्प

■ आलोक मेहता

प्रयाग में इस बार महाकुम्भ की शुरुआत शानदार और अखाड़ों के बीच किसी विवाद के बिना हुई। लेकिन कुछ राजनीतिक पार्टियों और नेताओं ने कुम्भ के नाम पर भी सत्तारूढ़ भाजपा और राज्य सरकार के विरुद्ध बयानबाजी की। इसमें कोई शक नहीं कि कुम्भ के पहले या शाही स्नान ( इस बार अमृत स्नान का नाम मिला ) के लिए पहले हम पर बड़े विवाद और संघर्ष हुआ करते थे। उज्जैन के सिंहस्थ कुम्भ को लेकर 1968 - 69 में अखाड़ों के बीच इतना गंभीर विवाद हुआ कि अखाडा समूह ने 68 में और दूसरे समूह ने 69 में कुम्भ आयोजित करवाए। संयोग से उसी वर्ष से मैंने पत्रकार के रुप में कुम्भ मेले में अखाड़ों के महंतों संतो से बात कर उनकी गतिविधियों पर लिखना शुरु किया था । इसलिए मुझे हमेशा लगता है कि साधु-संत घर परिवार और मोह माया त्याग कर वैराग्य अपनाते हैं , फिर भी उनके बीच झगडे क्यों होते हैं ? साधु-संतों की सबसे बड़ी संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद से लेकर अलग-अलग अखाड़ों के साधु-संतों में जंग छिड़ी रहती है। किसी की लड़ाई पद और कुर्सी को लेकर है तो कोई अखाड़े में वर्चस्व को लेकर मोर्चा खोले रहते हैं। पिछले वर्षों के दौरान शंकराचार्य के पदों और वर्चस्व को लेकर भी सार्वजनिक विवाद आए। यही नहीं कुछ मठों और शंकराचार्यों ने सत्तारुढ़ कांग्रेस या भारतीय जनता पार्टी के समर्थन और विरोध से समाज में अजीब सी उलझन पैदा की है। वेदों में राजनीति और सत्ता का विस्तृत उल्लेख है , लेकिन साधु संतों , शंकराचार्य की भूमिका सत्ता व्यवस्था को केवल सलाह देने की है। भृतहरि जैसे अनेकों राजा बाद में ऋषि बने , सन्यासी हुए। लेकिन सन्यासी किसी वेद पुराण में स्वयं सत्तारुढ़ होने का उल्लेख नहीं है।

अखाड़े एक तरह से हिंदू धर्म के मठ कहे जा सकते हैं। शुरू में केवल चार प्रमुख अखाड़े हुआ करते थे, लेकिन वैचारिक मतभेद की वजह से उनका बंटवारा होता गया और आज 13 प्रमुख अखाड़े हैं। कुंभ अखाड़ों का ही होता है। कुंभ आयोजित करने की मुख्य वजह आध्यात्मिक और धार्मिक विचार-विमर्श होती थी। अखाड़े अपनी-अपनी परंपराओं में शिष्यों को दीक्षित करते हैं और उन्हें उपाधि देते हैं। कुंभ में आमलोग पुण्य कमाने पहुंचते हैं तो वहीं साधुओं का दावा है कि वो गंगा को निर्मल करने के लिए आते हैं। माना जाता है कि आदि शंकराचार्य ने सदियों पहले बौद्ध धर्म के बढ़ते प्रसार को रोकने के लिए अखाड़ों की स्थापना की थी। बाद में कुछ महंतों ने वर्चस्व के लिए शास्त्र से नहीं मानने वालों को उन्हें शस्त्र से मनवाने के प्रयास किए ।संतों के खूनी संघर्ष की सबसे बड़ी घटना वर्ष 1760 में हरिद्वार कुंभ में संतों के बीच संघर्ष में नागा संन्यासियों ने 1800 वैष्णव संन्यासियों को मार दिया था। अखाड़ों के विवाद खत्म करने के लिए अखाड़ा परिषद् गठित हुआ, जिसकी व्यवस्थाओं को अब सभी अखाड़े मान्यता देते हैं। इतिहासकार यह भी मानते हैं कि उन्नीसवीं शताब्दी में बारह बरस में मिलने वाले धर्माचार्यों को जब लगा कि उन्हें बीच में भी एक बार एकत्र होना चाहिए तो छह बरस पर अर्ध कुंभ की परंपरा की नींव पड़ी। 1954 के कुंभ में मची भगदड़ के बाद, टकराव और अव्यवस्था को टालने के लिए अखाड़ा परिषद की स्थापना की गई, जिसमें सभी 13 मान्यता-प्राप्त अखाड़ों के दो-दो प्रतिनिधि होते हैं, और आपस में समन्वय का काम इसी परिषद के जरिए होता है।यूनेस्को ने भी कुंभ मेले को वैश्विक सांस्कृतिक धरोहर घोषित कर दिया है। यूनेस्को के अनुसार यह महोत्सव व्यापक और शांतिपूर्ण है और इसका आयोजन भारत के इलाहाबाद, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में किया जाता है। इस दौरान भारत में पवित्र नदी के किनारे पूजा अर्चना की जाती है। यह धार्मिक महोत्सव सहिष्णुता और समावेशी प्रकृति को प्रदर्शित करता है और इसमें बिना किसी भेदभाव के लोग हिस्सा लेते हैं।अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद में दो गुट बन चुके हैं। वहीं जूना अखाड़े से जुड़े कुछ संतों ने अपना नया अखाड़ा पांच दशनाम श्रीसंत गुरुदत्त अखाड़ा बना लिया है। इसी तरह से किन्नर अखाड़ा के बावजूद किन्नरों का भी दूसरा अखाड़ा बनगया ।. श्री पंचायती उदासीन बड़ा अखाड़ा के कुछ संत भी एक-दूसरे पर तमाम आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहे हैं ।13 अखाड़ों में सबसे बड़ा अखाड़ा जूना अखाड़ा है। इसमें सबसे ज्यादा साधु-संत हैं. साधुओं

की संख्या लाखों में होने के कारण जूना अखाड़ा का महत्व संख्या बल के आधार पर बढ़ जाता है। ज्यादा संख्या होने के कारण जूना अखाड़ा में भी महामंडलेश्वर और संतों के बीच विवाद हो जाते हैं. ऐसे ही कुछ संतों को जूना अखाड़े ने बाहर किया तो उन लोगों ने मिलकर एक नए अखाड़े का गठन कर लिया। दूसरी तरफ अद्वैत परम्परा का प्रवर्तक आदिगुरु शंकराचार्य ने सनातन धर्म की रक्षा और प्रसार के लिए देश की चार दिशाओं में चार पीठ की स्थापना की थी ।आदिशंकर ने ही ओडिशा ( पूर्व ) में गोवर्धन मठ, कर्नाटक ( दक्षिण ) में श्रृगेरी मठ, द्वारका ( पश्चिम ) में शारदा मठ और बद्रिकाश्रम ( उत्तर ) में ज्योतिर्मठ की स्थापना की थी। सनातन परंपरा में इन मठों के प्रमुखों को शंकराचार्य कहा जाता है। आदिगुरु शंकर की ओर से बनाई गई इस परंपरा में शंकराचार्य के पद को लेकर विवाद होते रहे हैं। शंकराचार्यों पर परंपरा का उल्लंघन करने के आरोप लगे। इसके अलावा इस शक्तिशाली पदों पर एक से अधिक संतों का दावा रहा. ब्रह्मलीन हुए जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वती दो पीठ बदरिकाश्रम की ज्योतिर्मठ और द्वारका के श्रृंगेरी मठ के प्रमुख थे. । जबकि परंपरा के अनुसार सभी पीठों की देखरेख अलग-अलग शंकराचार्य करते हैं. स्वामी स्वरूपानंद 1973 में ज्योतिष मठ ( वदरिकाश्रम ) के शंकराचार्य तो थे. वह साल 1982 में वो द्वारका पीठ के शंकराचार्य भी बन गए थे। स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती 1982 से दो पीठों के शंकराचार्य बने रहे। उन्होंने भी अपने उत्तराधिकारी की घोषणा कर दी थी। इसके अलावा कई और शक्तिपीठ के प्रमुख भी शंकराचार्य कहा जाता हैं. तमिलनाडु के कांची कामकोटि पीठ के प्रमुख को भी शंकराचार्य का दर्जा मिला है। हालांकि आदि शंकर ने जिन चार मठों की स्थापना की थी, उसमें कांची कामकोटि पीठ का नाम नहीं है. इस आधार पर कांची कामकोटि पीठ के शक्तिपीठ होने को लेकर काफी विवाद हुआ. चार प्रमुख मठ यानी द्वारका, ज्योतिष, गोवर्धन और श्रृंगेरी पीठ के शंकराचार्य तमिलनाडु के कांची कामकोटि पीठ को आदि पीठ नहीं मानते हैं. हालांकि बाद में इस पीठ के प्रमुख शंकराचार्य कहलाने लगे। आदि शंकर के हिंदू अद्वैत परंपरा वाले चार मठ चार वेदों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जैसे गुजरात में द्वारकाधाम में बने शारदा मठ में सामवेद को रखा गया है. इस मठ के सन्यासी अपने नाम के बाद तीर्थऔर आश्रम नाम का विशेषण लगाते हैं. ओडिशा ( पूर्व ) के गोवर्धन मठ का मूल ऋग्वेद है और इस मठ के सन्यासी अपने साथ आरण्यविशेषण लगाते हैं. दक्षिण में रामेश्वरम् में स्थित श्रृंगेरी मठ के साथ यजुर्वेद जुड़ा है और इस मठ के सन्यासी सरस्वती, भारती, पुरी सम्प्रदाय नाम विशेषण लगाते हैं.। उत्तराखंड के बदरिकाश्रम का ज्योतिर्मठ के मूल में अथर्ववेद है। इस पीठ के सन्यासी अपने नाम में गिरी, पर्वत और सागर विशेषण का प्रयोग करते हैं।

स्वामी स्वरूपानंद की इच्छा के अनुसार, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को ज्योतिषपीठ बद्रीनाथ और स्वामी सदानंद सरस्वती को द्वारका शारदा पीठ के प्रमुख बनाने की घोषणा की गई । वाराणसी के श्री विद्या मठ और ज्योतिष पीठ बद्रीनाथ की जिम्मेदारी संभालने वाले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को उनके उत्तराधिकारी के तौर पर बद्रीनाथ के ज्योतिष पीठ का प्रमुख घोषित किया गया। जबकि स्वामी सदानंद को द्वारका ज्योतिष पीठ का प्रमुख बनाया गया। काशी में शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के आदेश पर बड़े-बड़े आंदोलन की रूपरेखा खींचकर उसे आगे बढ़ाने वाले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के सबसे करीबी शिष्य माने जाते है। यूपी के प्रतापगढ़ जिले के रहने वाले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का पुराना नाम उमाकांत पांडेय था। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्र राजनीति में सक्रिय होते हुए उन्होंने कम उम्र में ही सन्यास ग्रहण कर लिया और वाराणसी के श्री विद्या मठ पहुंचकर ब्रह्मचारी की शिक्षा ली थी। यहां पर उनका नाम ब्रह्मचारी आनंद स्वरूप रखा गया था, लेकिन बाद में स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती से उन्होंने दंडी शिक्षा ग्रहण की और उनका नाम स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती रखा गया।

स्वामी स्वरूपानंद से शिक्षा ग्रहण करने के बाद वह उनके सबसे करीबी शिष्यों में शामिल हो गए। यही वजह है कि जब 2008 में स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने गंगा सेवा अभियान की घोषणा की तो वाराणसी में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने इस आंदोलन की रूपरेखा तैयार की और 112 दिनों तक काशी में अनवरत आमरण अनशन चलता रहा। जिसमें स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भी अन्न जल त्याग कर जिद पकड़ ली और गंगा को राष्ट्रीय नदी घोषित करने और उसको साफ सुथरा करने की मांग लेकर आमरण अनशन पर बैठ गए। हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां स्वामी स्वरूपानंद के निर्देश पर उन्होंने अनशन खत्म किया। इसके अलावा वाराणसी में राम मंदिर को लेकर छेड़े गए आंदोलन की पूरी रूपरेखा भी उन्होंने ही तैयार की.। हर घर स्वर्ण को लेकर आंदोलन करते हुए घर घर से सोने का कलेक्शन करके राम मंदिर निर्माण से पहले रामलला के लिए स्वर्ण मंदिर बनवाने का काम भी स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के सांनिध्य में ही संपन्न होने का दावा किया गया। इसके अतिरिक्त जब वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण शुरू हुआ था और मंदिर तोड़े जाने के बाद का विरोध हो रहा था. उस वक्त स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती नहीं इस आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर विरोध दर्ज कराते हुए अनशन शुरू किया था..स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पिछले कुछ बयानों को देखें तो वे धर्म से परे मामलों में काफी बेबाक रहे हैं. लेकिन उनके इस बेबाकपन को, दूसरे शब्दों में कहें तो राजनीतिक सक्रियता को भाजपा विरोध के रूप में देखा जा रहा है। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की तैयारियां जोरों पर थीं. मंदिर के अभिषेक समारोह में शामिल होने के लिए हजारों वीआईपी और धार्मिक लोगों के अलावा अविमुक्तेश्वरानंद के पास भी निमंत्रण आया था, लेकिन उन्होंने इसको अस्वीकार कर दिया. उन्होंने अधूरे राम मंदिर के अनावरण पर आपत्ति जताई थी, और कहा कि आधे-अधूरे मंदिर का उद्घाटन करना धर्म के खिलाफ है। अयोध्या में राम मंदिर बनाने के लिए जब ट्रस्ट बनाया गया, तब से लेकर मंदिर के बनने तक अविमुक्तेश्वरानंद की नाराजगी दिखती रही। वे नाराज रहे कि उनको ट्रस्ट का सदस्य नहीं बनाया गया। उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर से 228 किलो सोना गायब होने का आरोप लगाकर विवाद खड़ा कर दिया। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद् और निरंजनी अखाड़ा के अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने इस मामले पर जवाब दिया। . उन्होंने कहा कि अविमुक्तेश्वरानंद के पास अगर सोना चोरी का सबूत है तो उन्हें पुलिस या कोर्ट को सौंपे. उन्होंने कहा था कि अगर उनके पास प्रमाण नहीं है तो सुर्खियों में बने रहने के लिए अनर्गल बयानबाजी न करें.अविमुक्तेश्वरानंद ने दिल्ली के बुराड़ी में बन रहे केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति ( डुप्लीकेट मंदिर ) पर भी नाराजगी जताई थी । स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद शुरू से धार्मिक और राजनीतिक दोनों ही मामलों में सक्रिय भूमिका निभाते दिखे हैं। पिछले कुछ सालों में उनका रुख सत्ता विरोधी रहा है, और वे विपक्ष के एक समर्थक के रूप में नजर आए हैं। दिलचस्प बात यह है कि स्वामी स्वरूपानंदजी को महत्व देने वाले स्वामी करपात्रीजी ने नेहरु इंदिरा युग में कांग्रेस का कड़ा विरोध किया था और एक पार्टी तक बनवा दी थी। लेकिन सत्ता और समय का खेल है कि पहले स्वरूपानंदजी और फिर अविमुक्तेश्वरानंद कांग्रेस के समर्थन और हिन्दू विचारों वाली प्रमुख भारतीय जनता पार्टी तथा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध कर रहे हैं। यह बात अलग है कि द्वारका के शंकराचार्य स्वामी सदानंद प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति सम्मान और सर्थन देते दिख रहे हैं।

# भारतीय समृद्धि और जीवन रक्षा को संबल

■ रंजन केलकर

कई सरकारी संगठनों का काम वैज्ञानिक अनुसंधान करना है और कई अदारे सीधे तौर पर जन-कल्याण से जुड़े काम करते हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग ( आईएमडी ) इस मायने में अद्वितीय है कि इसके हिस्से दोनों जिम्मेवारियां हैं। एक और खासियत जो आईएमडी को अन्य संगठनों से अलग करती है, वह यह है कि इसके लिए भविष्य की सटीक भविष्यवाणी देना एक अनिवार्यता है। यह अवधि अगले कुछ घंटों से लेकर दिनों, महीनों, वर्षों या दशकों तक हो सकती है और कार्यक्षेत्र की परिधि का पैमाना एक हवाई अड्डे या गांव से लेकर एक जिले, राज्य, देश, महाद्वीप या महासागर तक होता है।15 जनवरी, 1875 को स्थापित हुए आईएमडी ने मौसम-निगरानी और विज्ञान-आधारित मौसमीय एवं जलवायु पूर्वानुमानों के माध्यम से, राष्ट्र की सेवा करने में हर संभव मौसम विज्ञान विधा का उपयोग करने का प्रयास किया है। इसकी गतिविधियों ने कृषि उत्पादन बढ़ाने, जल संसाधनों का प्रबंधन, विमानन सुरक्षा सुनिश्चित करने और आपदाओं की ताब कम करने में मदद की है। आईएमडी लोगों के जीवन से सीधे जुड़ा है, नीतियों को प्रभावित करता है और भविष्य की कल्पना करने में मदद करता है। वास्तव में, आईएमडी ने अपने 150 वर्षों के सफर में एक लंबा रास्ता तय किया है।

पिछले दशक में, विशेष रूप से स्थान एवं समय के तमाम पैमानों पर, आईएमडी के पूर्वानुमानों के दायरे और सटीकता में एक उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राडार, उपग्रहों और सुपर कंप्यूटरों का उपयोग कर बनाए गए उन्नत भविष्यवाणी मॉडल आईएमडी की तकनीकी-वैज्ञानिक बुनियाद में विस्तार होने का स्पष्ट परिणाम है। उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों की वजह से होने वाला जानी नुकसान कई हज़ारों की संख्या से घटकर लगभग शून्य हो गया है। सूखा और बाढ़, जो कि मानसून की बारम्बार घटने वाली

प्रवृत्ति है, अब पूरी तरह से प्रबंधनीय हो गए हैं। भारत के ब्रिटिश शासकों को वेधशालाओं के प्रति स्वाभाविक आकर्षण था : खगोलीय, भूकंपीय, भूचुंबकीय और ज़ाहिर है, मौसम संबंधी। आईएमडी के अस्तित्व में आने से लगभग 80 साल पहले भी, स्थानीय सरकारों, रेलवे और बंदरगाह प्राधिकरण ने मौसम रिकॉर्ड करने के लिए अपनी वेधशालाएं स्थापित कर रखी थीं।

ऐसे कई व्यक्ति भी थे जिनके लिए खगोल विज्ञान और मौसम विज्ञान एक गंभीर शौक था। इनमें सिविल नागरिक और सेना के अधिकारी, डॉक्टर, प्रोफेसर, भूगोलवेत्ता, नाविक, सर्वेक्षक और मिशनरी शामिल थे, जो यत्नपूर्वक मौसम संबंधी रिकॉर्ड सहेजकर रखते थे। अपवाद स्वरूप, भारत की सबसे पहली वेधशालाओं में से एक, त्रिवेंद्रम में, अंग्रेजों ने नहीं बल्कि त्रावणकोर के महाराजा द्वारा स्थापित की गई थी। इसलिए, भारत इस मामले में भाग्यशाली है कि उसके पास दो शताब्दियों तक का मौसम संबंधी रिकॉर्ड मौजूद है, जो जलवायु परिवर्तन अध्ययन के लिए एक मूल्यवान भंडार है। वर्ष 1875 तक, भारत में 86 मौसम संबंधी वेधशालाएं खुल चुकी थीं और अब वक्त था उन्हें एक एजेंसी के तहत लाने का। भारत सरकार ने इसका नामकरण 'भारत मौसम विज्ञान विभाग' करने का फैसला लिया, जिसका कार्यक्षेत्र क्वेटा से रंगून और लेह से कोलंबो तक फैला हुआ था। आरंभ में इसके नेतृत्व के लिए 'भारत सरकार का इंपीरियल मौसम विज्ञान रिपोर्टर' नामक पद सृजित किया गया। बाद में इस पदनाम को 'महानिदेशक, वेधशालाएं' और फिर आगे चलकर यह 'महानिदेशक, मौसम विज्ञान' हुआ।

इस विभाग की एक खासियत यह भी रही कि इसका कामकाज मालिक-गुलाम वाले औपनिवेशिक ढंग से नहीं चला, भारतीय वैज्ञानिकों की भर्ती 1885 से ही आईएमडी में होने लगी थी और 1920 तक अधिकांश वरिष्ठ पदों पर भारतीय ही आसीन थे। भारत को स्वतंत्रता मिलने से भी काफी पहले, आईएमडी का मुखिया एक भारतीय रह चुका था। यूं आईएमडी में कई ब्रिटिश मौसम विज्ञानी भी थे। जिनके उल्लेखनीय काम ने मानसून और उष्णकटिबंधीय चक्रवातों को बूझने में हमारे ज्ञान में महत्वपूर्ण वृद्धि की। आईएमडी में कार्यरत कई भारतीय मौसम विज्ञानियों ने नए वैज्ञानिक संस्थानों के निर्माण में मदद की। आईएमडी के प्रतीक चिन्ह में शामिल संस्कृत शब्द 'आदित्यात्? जयते वृष्टिः' भारत के सदियों पुराने ज्ञान साहित्य से लिया गया है। जिसका भाव है कि जब तक सूरज चमकता रहेगा, तब तक हमारे लिए मानसून की बारिश होती रहेगी। यह तथ्य है कि प्रत्येक मानसून में यह अपने काम को अंजाम देने में कभी नहीं चूका।

यह बढ़िया रहा कि 2024 के मानसून के दौरान पूरे देश में सकल वर्षा औसत से 8 प्रतिशत अधिक रही, और यह आंकड़ा आईएमडी के पूर्वानुमान के काफी करीब था। यह भी महत्वपूर्ण तथ्य है कि 2017 से, मानसून की वर्षा सामान्य रही है, जिसका अर्थ है कि यह दीर्घकालिक औसत के प्लस-माइनस 10 प्रतिशत के मार्जिन के भीतर लगातार रही है। अच्छे या संतोषजनक मानसून की इस शृंखला में वर्ष 2024 आठवां वर्ष था। इसकी सापेक्षता में, भारत का वार्षिक खाद्यान्न उत्पादन 2017 में 275 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर 2023 में रिकॉर्ड तोड़ 330 मिलियन मीट्रिक टन छू गया और 2024 में यह आंकड़ा भी पार होने की उम्मीद है। देश की खाद्य सुरक्षा के दृष्टिकोण से, यह वृद्धि बहुत महत्वपूर्ण है। निश्चित रूप से इस तथ्य को रेखांकित करती है कि मानसून की पकड़ भारतीय कृषि और इसके माध्यम से समग्र अर्थव्यवस्था पर बहुत अधिक है।

भारतीय मानसून पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव सूक्ष्म स्तर पर ज्यादा साफ दिखाई दे रहा है। बादल फटना, अत्यधिक बारिश, भूस्खलन, बिजली गिरना और शहरी बाढ़ जैसी स्थितियां निरंतर बढ़ रही हैं, जिससे फसलों और संपत्ति की भारी हानि और जान-माल का नुकसान हो रहा है। आईएमडी को लक्षित चेतावनियों के माध्यम से इन मुद्दों से निपटने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में, ग्राम पंचायत स्तर पर पूर्वानुमान देने की इसकी योजना स्वागत योग्य है। हाल ही में स्वीकृत और अत्यधिक महत्वाकांक्षी 'मिशन मौसम' नामक कार्यक्रम आईएमडी को पुनः सुसज्जित करने और भविष्य के लिए तैयार होने का एक शानदार अवसर प्रदान करेगा।

**(साभार : लेखक भारतीय मौसम विभाग के पूर्व निदेशक हैं।)**

**सन्तोष दरिद्रता का दूसरा नाम है।**
**- प्रेमचन्द**

## आज का इतिहास

- 2010- भारत में 'मोबाइल पोर्टेबिलिटी' सेवाओं की शुरुआत।
- 2009- नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।
- 2009- बराक ओबामा ने अमेरिका के 44वें राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाला।
- 2008- बॉलीवुड अभिनेता देव आनंद को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' दिया गया।
- 2006- नेपाल और भारत ने पारगमन संधि की अवधि को 3 महीने के लिए बढ़ाया।
- 2006- प्लूटो के बारे में और जानकारी के लिए नासा ने न्यूहोराइजन यान को प्रक्षेपित किया।
- 2000- सांख्यिकी एवं अंतरराष्ट्रीय फुटबाल महासंघ ने 'पेले' को शताब्दी का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया।
- 1980- अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने मास्को ओलंपिक का बहिष्कार किया।
- 1977- संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के 39वें राष्ट्रपति जिमी कार्टर बने।
- 1972- भारतीय राज्य मेघालय की स्थापना हुई थी।

## निशाना

### अटकलें हैं तेज़ !

-कृष्णेन्द्र राय

**छोड़ देंगे पार्टी ।**
**हो गए नाराज़ ।।**
**अटकलें हैं तेज़ ।**
**ना रहा कुछ राज ।।**
**सपरिवार जाना है ।**
**लिया उन्होंने ठान ।।**
**हो चुके मज़बूत ।**
**ना भटकाना ध्यान ।।**
**लगे भले ही वक्त ।**
**ख़बर आने वाली ।।**
**घटनाक्रम दिलचस्प ।**
**आ सकती हरियाली ।।**
**हो चुका है मोहभंग ।**
**दौर अलग है आया ।।**
**लग रहा है इधर से ।**
**है पूरा सफाया ।।**

### राज्य सूचना आयोग के आदेश की अवहेलना

# पूर्व एसडीएम आशीष पांडेय को कारण बताओ नोटिस जारी

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

सूचना का अधिकार को लेकर लोक प्राधिकारी इस कदर लापरवाही बरत रहे हैं कि जिले के शासकीय कार्यालयों से आर.टी.आई. में जानकारी लेने के लिए वर्षों लग रहे हैं। आवेदकों को 30 दिन में उपलब्ध कराई जाने वाली जानकारी विभागों द्वारा वर्षों तक उपलब्ध नहीं कराई जा रही है, ताकि उनके विभाग के कारनामे उजागर न हो जाएं। नगर पालिका, राजस्व विभाग और शिक्षा विभाग में पदस्थ लोक सूचना अधिकारी वरिष्ठ अधिकारियों के जारी आदेशों के बाद भी जानकारी नहीं देते है और ना ही आयोग के आदेश के बाद जानकारी उपलब्ध कराते है। ऐसा ही एक मामला है एसडीएम कार्यालय नर्मदापुरम का है।

मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग द्वारा दिनांक 24.08.2023 को एक माह में निशुल्क जानकारी देने के आदेश लोक सूचना अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नर्मदापुरम को दिए गए थे। लेकिन तत्कालीन एसडीएम आशीष पाण्डेय ने आयोग के पारित आदेश को नजरअंदाज कर जानकारी

उपलब्ध नहीं कराई। शिकायतकर्ता विनोद केवट की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग के नर्मदापुरम संभाग आयुक्त डॉ उमाशंकर पचौरी ने तत्कालीन एसडीएम आशीष पाण्डेय को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पाण्डेय इस समय मुख्यमंत्री कार्यालय के ओ.एस.डी. है। म.प्र. राज्य सूचना आयुक्त पचौरी ने 30 जनवरी 2025 को तत्कालीन एसडीएम आशीष पाण्डेय को अपना पक्ष रखने के लिए मौका दिया है।

### यह है मामला

आरटीआई कार्यकर्त्ता विनोद केवट द्वारा दिनांक 08.06.2022 को लोक सूचना अधिकारी एवं एसडीएम नर्मदापुरम कार्यालय से आर.टी.आई. में जानकारी चाही गई थी। आवेदक द्वारा चाही गई जानकारी में खनिज विभाग द्वारा एसडीएम नर्मदापुरम को लिखे गए पत्र क्रमांक 1106/खनिज/2021-2022 होशंगाबाद दिनांक 15.12.2021 पर की गई कार्यवाही से संबंधित जानकारी चाही गई थी। एसडीएम कार्यालय से आर.टी.आई. के अंतर्गत 30 दिन की समय सीमा में जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जिसके बाद प्रथम अपील कलेक्टर नर्मदापुरम को पेश की गई। प्रथम अपील की सुनवाई पर लोक सूचना अधिकारी उपस्थिति नहीं हुए और ना ही अपना जबाव पेश किया। जिस पर प्रथम अपीलीय अधिकारी एवं अपर कलेक्टर नर्मदापुरम ने दिनांक 05.08.2022 को आदेश जारी कर 7 दिन में जानकारी उपलब्ध कराने के आदेश दिए। लेकिन एसडीएम ने प्रथम अपील के पारित आदेश के बाद भी जानकारी नहीं दी। जिसके बाद आवेदक ने राज्य सूचना आयोग का दरवाजा खटखटाया और द्वितीय अपील मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग के समक्ष पेश की। द्वितीय अपील की सुनवाई पर भी लोक सूचना अधिकारी व एसडीएम ना तो उपस्थित हुए और ना ही उन्होंने अपना जबाव पेश किया। ए. के. शुक्ला तत्कालीन मुख्य सूचना आयुक्त मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग ने प्रकरण पर सुनवाई करते हुए दिनांक 24.08.2023 को एसडीएम को एक माह में जानकारी उपलब्ध कराने के आदेश दिए। लेकिन इस बार भी एसडीएम ने आयोग के पारित आदेश को नजर अंदाज कर जानकारी उपलब्ध नहीं कराई। लोक सूचना अधिकारी द्वारा आयोग के पारित आदेश की अवहेलना करने और जानकारी उपलब्ध नहीं कराने पर आवेदक ने शिकायत प्रेषित की। शिकायत पर कार्यवाही करते हुए डॉ उमाशंकर पचौरी ने 18 दिसंबर 2024 को 5 दिन में निशुल्क डाक से जानकारी प्रेषित करने के आदेश दिए गए साथ ही 25 हजार रूपए की जुर्माने एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया और लोक सूचना अधिकारी एसडीएम नर्मदापुरम को 02 जनवरी 2025 को अपना पक्ष रखने के लिए मौका दिया गया। लोक सूचना अधिकारी द्वारा आदेश को दोबारा नजर अंदाज किया और जानकारी उपलब्ध नहीं कराई और ना ही आयोग के समक्ष अपना जबाव दिया और ना ही उपस्थित हुए। जिस पर आयोग ने अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्रीमती नीता कोरी लोक सूचना अधिकारी नर्मदापुरम को आदेशित किया कि वह 5 दिन में पंजीकृत डाक से निशुल्क जानकारी प्रदान करते हुए 30 जनवरी को अपना पालन प्रतिवेदन भेजे साथ ही आशीष पाण्डेय तत्कालीन लोक सूचना अधिकारी एसडीएम नर्मदापुरम को अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए मौका दिया है।

आयुक्त मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग द्वारा लोक सूचना अधिकारी को तीन बार आदेशित किए जाने के बाद भी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई

# जल निकासी की समस्या से वार्ड वासी परेशान, टेंडर होने के बाद भी नपा ने शुरू नहीं कराया काम

- समस्या को लेकर जन सुनवाई में भी नागरिक लगा चुके हैं गुहार

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

नगर के वार्ड नंबर 26, मदारवाड़ा में वर्तमान समय पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है. समस्या निराकरण हेतु वार्ड वासियों द्वारा नगर पालिका से नाली निर्माण का निवेदन किया गया था जिसमें टेंडर भी पास हुए थे किंतु नगर पालिका द्वारा नाली का निर्माण नहीं कराया गया जो कि आज तक लंबित है 7

वार्ड के जागरूक नागरिक अजय शर्मा ने बताया

वार्ड में पानी निकासी न होने के कारण घरों के आसपास पानी जमा हो रहा है उसमें जानलेवा मच्छर पनप रहे हैं तथा गंदगी फैल रही है और सुअरों का आतंक मचा हुआ है तथा बीमारियां पनप रही हैं जिससे बच्चों बुजुर्गों सहित सभी वर्ग के लोगों पर घातक बीमारियों का खतरा बना हुआ है तथा वर्षा काल में समस्या और भी गंभीर हो जाती है7

श्री शर्मा ने कहा वार्ड के पार्षद के प्रयास से नगर पालिका द्वारा नाली का टेंडर पास किया गया था किंतु पार्षद द्वारा मुझे ज्ञात हुआ है कि नगर पालिका से संबंधित ठेकेदार को वर्क आर्डर जारी होने के बाद भी संबंधित ठेकेदार द्वारा नाली निर्माण नहीं किया जा रहा है. वार्ड वासियों द्वारा नाली निर्माण को लेकर तत्कालीन सीएमओ नवनीत पांडे सहित जनसुनवाई में तत्कालीन कलेक्टर

नीरज सिंह तथा सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत की गई थी साथ ही वर्तमान सीएमओ श्रीमती हेमेश्वरी पटले व्यक्तिगत निवेदन भी किया जा चुका है किंतु आज तक नाली निर्माण नहीं हो पाया है।

**इनका कहना है**

2023 में 2 बार टेंडर पास हुए थे तथा ठेका भी दिया था किन्तु वर्कआर्डर जारी करने के बाद भी ठेकेदार ने काम नहीं शुरू किया गया और नगर पालिका इतनी असहाय है कि ठेकेदार पर दबाव बनाकर काम भी नहीं करवा पा रही है जनता भले ही परेशान होती रहे नगर पालिका को कोई मतलब नहीं है यह हो सकता है कि नगर पालिका को ठेकेदार मनचाहा कमीशन ना दे पा रहा हो7 जिससे काम शुरू नहीं हो पाया हो.

– राहुल गौर पार्षद वार्ड नंबर 26 नर्मदापुरम

# शहर में दो चरणों में सम्पन्न हुई एनसीसी 'ए' प्रमाण पत्र परीक्षा

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

13 मध्य प्रदेश बटालियन द्वारा आयोजित एनसीसी 'ए' प्रमाण पत्र परीक्षा दो चरणों में सम्पन्न हुई। प्रथम चरण में दिनांक 18 जनवरी को ओल्ड बी टीआई स्थित बटालियन ग्राउंड पर नर्मदापुरम के पांच स्कूल की प्रायोगिक परीक्षा ली गई।

इसके बाद 19 जनवरी को शासकीय एस. एन. जी. हायर सेकेंडरी स्कूल में लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें 13 एमपी बटालियन के अंतर्गत आने वाली संस्थाओं के अंतर्गत शासकीय एस एन जी स्कूल नर्मदापुरम के 32, शा. सी एम राइज बुदनी के 43 एवं माखन नगर के 30, समेरिटंस हायर सेकेंडरी स्कूल के 21, स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के 18 कुल 144 एनसीसी कैडेट्स ने शासकीय एस एन जी

स्कूल परीक्षा केंद्र में लिखित परीक्षा में शामिल हुए।

परीक्षा का संचालन फर्स्ट ऑफिसर जयकुमार वर्मा, फर्स्ट ऑफिसर विजय गौर, सेकंड ऑफिसर विजय प्रकाश श्रीवास्तव, थर्ड ऑफिसर के एम मरकाम , केयरटेकर ऑफिसर शेख कंवर, सूबेदार राजवीर सिंह, सुबेदार मोहर सिंह, हवलदार अनिल कुमार, हवलदार मांडा की देखरेख में संपन्न हुई। 13 एमपी बटालियन के कमान अधिकारी एडम ऑफिसर अमर सिंह चटवाल ने परीक्षा केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया और सभी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। परीक्षा में आर्मी विषय पर आधारित थी, परीक्षा ओएमआर शीट पर पद्धति से ली गई। परीक्षा में शामिल होने के लिए सभी कैडेट्स की 75 परसेंट हाजिरी एवं एक कैंप करना अनिवार्य रहता है। परीक्षा में उत्तीर्ण कैडेट्स को 'ए' प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है, जो की रक्षा मंत्रालय से प्राप्त होता है और जो उनकी योग्यता और वरीयता के आधार पर विभिन्न नौकरियों में बोनस अंक के रूप में काम आता है।

# आश्चर्यजनक : प्रवासी गिद्धों का झुंड दिखा, प्रकृति के लिए सुखद संकेत !

**विशाल रजक तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो**

पिछले कई वर्षों से विलुप्त होते जा रहे गिद्धों को लेकर एक सराकात्मक खबर सामने आई है और जिले के जंगली क्षेत्रों में कुछ जगह गिद्ध के झुंड लगातार नजर आने लगे हैं ऐसे हालातों में अब वन्य जीव विशेषज्ञ इसे प्रकृति के साथ विलुप्त प्रजाति के लिए सुखद मान रहे हैं। रविवार को ऐसा ही नजारा तेन्दूखेड़ा वन परिक्षेत्र की नरगुवा बीट और खकरिया बीट के जंगल में देखने को मिला जहाँ गिद्धों का एक बड़ा झुंड हरे-भरे जंगल में एक मृत पड़े मवेशी को खा रहे थे।

जहां एक और अभी घने कोहरे के साथ तेज ठंड पड़ रही है तो वहीं जबलपुर तेन्दूखेड़ा मार्ग पर नरगुवा बीट के अंतर्गत सड़क किनारे जंगल में सुबह दर्जनों गिद्धों का झुंड मृत पड़े मवेषी के पास कुनकुनी धूप का आनंद लेते हुए बैठा था। वहीं खकरिया बीट में कड़कड़ाती धूप का आनंद लेते हुए प्रवासी गिद्ध भी नजर आए जहां कई प्रजाति के प्रवासी गिद्ध का झुंड मवेशियों को खाते हुए दिखाई दिए जो पर्यावरण के लिए एक सकारात्मक खबर है जिससे हरे भरे पेड़ों के बीच यह गिद्धों का झुंड घने कोहरे के साथ ठंड के मौसम का आनंद लेते नजर आए।

ज्ञात हो कि पिछले कुछ वर्षों में क्षेत्र में गिद्ध नजर आने बंद हो चुके थे और हालात यह थी कि विलुप्त होती गिद्धो की प्रजाति की तलाश

और संरक्षण के लिए प्रषासन जुट गया था। वन्य क्षेत्रों में भी इनकी तलाश की जाती थी। लंबे समय के बाद धीरे-धीरे यह नजर आने शुरु हो गए है। इन दिनों ये झुंड में भी नजर आने लगे है। अब यह पहले की तरह प्रकृति को शुद्ध करने लगे गए है। दरअसल गिद्ध की प्रमुख विशेषता उसकी पर्यावरण को स्वच्छ रखने की कुदरती कला है। गिद्ध एक ऐसा पक्षी है जो जंगलों में मृत जानवरों के अवशेषों और सड़े गले मांस को जल्दी से खा जाता है। जिस कारण अवशेषों की दुर्गन्ध जंगल में नहीं फैल पाती है। इस प्रकार पूरा वातावरण एवं इकोसिस्टम स्वच्छ बना रहता है। प्रकृति के सफाईकर्मी के तौर पर जाने जाने वाले गिद्ध विलुप्ति की कगार पर थे।

दरअसल, मृत मवेशियों पर आहार के लिए निर्भर रहने वाले गिद्ध मवेशियों को लगाए जा रहे इंजेक्शन के कारण विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुके थे हालांकि सरकार ने मवेशियों में उपयोग आने वाली कई दवाओं पर प्रतिबंध लगा दिए हैं. साथ ही साथ गिद्धों के संरक्षण के प्रयास भी तेज कर दिए गए हैं. भारतीय गिद्ध को बचाने के लिए मध्य प्रदेश वन विभाग ने दो बार प्रदेशव्यापी गणना का फैसला लिया था ताकि पता चल सके कि प्रवासी गिद्धों के अलावा ऐसे कितने गिद्ध हैं, जो मध्य प्रदेश के जंगलों में रहकर अपनी पीढ़ी बढा रहे हैं।

तेन्दूखेड़ा वन परिक्षेत्र की खकरिया बीट सड़क किनारे जंगल में एक मृतक मवेशी के पास दर्जनों की संख्या में देखे गए हैं। ये सभी नई उम्र के लग रहे थे। ये इनकी प्रजाति के लिए अच्छी खबर है कि इनकी प्रजातियों को तेन्दूखेड़ा का जंगल वातावरण रास आ रहा है और यहां वे अपनी प्रजाति को बढ़ा रहे हैं। गिद्धों की बढ़ती संख्या के पीछे शुरु हुए प्रयास हैं, जहां एक ओर संरक्षण शुरु किया गया तो दूसरी ओर अंचल के किसानों में जैविक खेती की ओर बढ़ता रुझान और घातक कीटनाशकों के उपयोग में कमी है।

दरअसल दो दशक पहले तक बुंदेलखंड अंचल में गिद्धों की कई प्रजातियों का बसेरा था लेकिन पैदावार बढ़ाने के लिए जैविक खाद, कीटनाशकों का बेतहाशा उपयोग इनका दुश्मन बन गया था। इसके अलावा बस्तियों के आसपास ऊंचे वृक्ष भी काट दिए गए। इस वजह से घोंसले बनाने के ठिकाने भी घट गए और इन सभी वजहों ने गिद्धों की प्रजातियों को खतरे में डाल दिया।

### संकटग्रस्त प्रजातियों को बचाने कार्य शुरु

तेंदूखेड़ा उप वनमंडल के तेंदूखेड़ा, झलौन, तारादेही, तेजगढ़ रेंजों में भी इन दिनों गिद्धों की संख्या बढ़ी है। इसके अलावा तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र की खकरिया बीट में आए दिन गिद्धों को दिखा जा सकता है। यहां विदेशी गिद्धों की संख्या देखने को मिल सकती है क्योंकि यहां पर जंगल हरा भरा होने के साथ ही पानी के जलस्त्रोत हैं। ऐसे में जहां संरक्षित हैबीटेट के मामले में जहां देश में गिद्धों की दशा संतोषजक नहीं हैं वहीं प्रदेश के हालत भी इसी तरह के है और प्रदेश के 30 जिलों में गिद्धों की उपस्थिति नगण्य है तो 14 जिले तो शून्य जैसी स्थिति में है लेकिन यहां स्थितियां बेहतर हुई हैं इसके अलावा देश में पाई जाने बाली गिद्धों की 9 प्रजातियों में 7 प्रजातियां मप्र में मिलती हैं इनमें से इंडियन वल्चर, लॉग बिल्ड वल्चर व्हाइट रम्पड वल्चर, व्हाइट बैक्ड वल्चर, और किंग वल्चर या रेड हेडेड वल्चर गंभीर खतरे की स्थिति में हैं। जबकि

## गनेश श्रीवास्तव बने उपवन क्षेत्रपाल, डीएफओ ने स्टार लगाकर दी शुभकामनाएं

**विशाल रजक तेन्दूखेड़ा!**- तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र में पदस्थ सर्किल आफिसर गनेश श्रीवास्तव को पदोन्नति प्राप्त हुई है, अभी तक गनेश श्रीवास्तव वनपाल के रूप में तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र में सेवाएं दे रहे थे लेकिन अब उपवन क्षेत्रपाल बन गए है दमोह वनमंडलाधिकारी ईश्वर जरांडे ने उनकी पदोन्नति के बाद उनको दूसरा स्टार लगाया और शुभकामनाएं दी गनेश श्रीवास्तव तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र की सर्किल बगदरी में पदस्थ है और उनकी सेवानिवृत्ति 31 जनवरी को होना है, सेवानिवृत्ति के 15 दिन पूर्व वनपाल से उपवन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति मिली उनके सराहनीय कार्यों को देखते हुए तेंदूखेड़ा उपवनमंडल अधिकारी प्रतीक कुमार दुबे वन परिक्षेत्र अधिकारी मेघा पटेल ने सराहनीय प्रशंसा करने के बाद उनको यह पदोन्नति मली है। उन्होंने बताया कि वीटगार्ड से विभाग में सेवाएं दी है उसके बाद वनपाल और अब उपवन क्षेत्रपाल के रूप में

**मेट्रो एंकर**

### केंद्र सरकार की योजनाओं का किया जा रहा सर्वे : एसडीएम

# चक्कर काट रहा हवाई जहाज बना चर्चा का विषय

**तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो**

तेंदूखेड़ा नगर सहित ब्लॉक में दो दिन से अनोखा नजारा देखने को मिला यहां एक विमान करीब 150 फीट की ऊंचाई पर उड़ान भर रहा है विमान ने पंडा बाबा से सैलवाड़ा, पाजी और पिंडरई तक के क्षेत्र में कई चक्कर लगाए स्थानीय निवासियों ने इस अनूठे दृश्य के वीडियो बनाए और अपने परिचितों को भी सूचित किया। विशेष रूप से बच्चों के लिए यह एक रोमांचक अनुभव रहा, जिन्होंने पहली बार इतनी नजदीक से विमान देखा

पिंडरई निवासी राजा ठाकुर ने बताया कि विमान ने उनके क्षेत्र में दो बार चक्कर लगाए, जबकि पाजी निवासी विष्णु रजक के अनुसार विमान उनके घरों के ठीक ऊपर से गुजरा। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में कई तरह की चर्चाएं हैं। कुछ का मानना है कि जबलपुर की एक महिला पायलट विमान उड़ा रही है, जबकि कुछ इसे सर्वे से जोड़कर देख रहे हैं इस असामान्य गतिविधि की सूचना कलेक्टर को भी दी गई है। कलेक्टर के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। यह घटना ग्रामीण क्षेत्र में काफी चर्चा का विषय बनी हुई है, क्योंकि अधिकांश लोगों ने पहली बार इतनी कम ऊंचाई पर उड़ता हुआ विमान देखा है

गांव में उड़ रहे जहाज को लेकर तेंदूखेड़ा एसडीएम सौरभ गंधर्व ने बताया कि मुझे सुबह जानकारी मिली थी। मैंने मामले से दमोह कलेक्टर को अवगत कराया गया। उन्होंने जानकारी दी है कि उड़ने वाला जहाज जबलपुर हवाई अड्डे से उड़ा है और केंद्र सरकार की योजनाओं का सर्वे कर रहा है। चिंता बाली कोई बात नहीं है

## गुमशुदा को ढूंढ कर परिजनों के सुपुर्द किया

**नर्मदापुरम।** एसपी डॉ. गुरकरन सिंह के निर्देशन में मुकेश पिता रामनाथ चौहान उम्र 30 साल निवासी मिलान गार्डन के पास पुरानी इटारसी को ढूंढ़ कर परिजनों को सुपुर्द किया गया। अनुभाग पिपरिया के अंतर्गत थाना स्टेशन रोड पिपरिया पुलिस के द्वारा 18 जनवरी को आरोपी शिवा उर्फ शिवराज गुर्जर पिता धनराज गुर्जर उम्र 25 साल निवासी ग्राम बीजनवाड़ा थाना स्टेशन रोड़ पिपरिया जिला नर्मदापुरम जिसे जिला दंडाधिकारी नर्मदापुरम के द्वारा 22 अगस्त 2024 को जिला नर्मदापुरम एवं जिले की सीमा से लगे जिला हरदा, बेतुल, सीहोर, रायसेन, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर से 06 माह की अवधि के लिए जिला बदर किया गया था को गिरफ्तारी कर आरोपी के विरुद्ध धारा 14 मप्र राज्य सुरक्षा अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध किया गया है। अनुभाग सोहागपुर के अंतर्गत थाना सोहागपुर पुलिस द्वारा अपराध क्र.30/25 धारा 305, 331(4) bns में आरोपी डालचंद ,वीर सिंह गुर्जर को गिरफ्तार कर उनसे इलेक्ट्रॉनिक तथा घरेलू सामग्री कीमती लगभग 1,26,400 रु. जप्त किया तथा दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में केंद्रीय जेल नर्मदा पुरम में दाखिल किया गया। अनुभाग सिवनी मालवा के अंतर्गत थाना सिवनी मालवा पुलिस के द्वारा पराध क्रमांक 18/2025 धारा 137(3) bns की नाबालिग अपहर्ता को ढूंढा गया। जिला नर्मदापुरम में यातायात पुलिस द्वारा 23 वाहनों पर चालानी कार्यवाही करते हुये 9700/- का जुर्माना वसूला गया।

# आवास प्लस सर्वे प्रारंभ : 31 मार्च तक सर्वे कार्यवाही पूर्ण कराने के निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना तहत सर्वे कार्य प्रारंभ हो गया है केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण को आगामी 5 वर्षों के लिए मंजूरी प्रदाय की गई है जिसके तहत आवास प्लस सूची को आवेदन करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में स्थाई प्रतीक्षा सूची में पात्र परिवारों के नाम जोड़ने की कार्रवाई संपादित की जाएगी।

### प्रचार प्रसार की कार्यवाही

आवास प्लस 2024 सर्वे हेतु की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में दिशा निर्देश प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण विकास आयुक्त के संचालक द्वारा जारी किए गए हैं जिसमें उल्लेख किया गया है कि सर्वे के संबंध में आवश्यक एवं पर्याप्त प्रचार प्रसार किया जाना सुनिश्चित करने की हिदायत दी गई है। ग्राम पंचायत के सर्वेयर के नाम एवं उनका मोबाइल नंबर समस्त ग्राम पंचायत के सरकारी भवनों में लिखने का कार्य किया। जहां आवश्यक हो वहां बैनर होर्डिंग लगाए जाएं। सर्वे हेतु नियुक्त सर्वेयर ग्राम पंचायत के समस्त पात्र परिवारों के नाम सर्वे में जोड़ें इसके लिए क्लस्टर स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करने के कार्योंका संपादन किया जाएगा।

### सर्वे प्रक्रिया

आवास प्लस 2024 का सर्वे के

लिए दो प्रक्रिया मान्य की गई है तदनुसार नामांकित सर्वेयर द्वारा सर्वे और हितग्राही द्वारा स्वयं के मोबाइल से सर्वे की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। नामांकित सर्वेयर द्वारा सर्वे के लिए निम्न प्रक्रिया संपादित की जाएगी उसमें पात्र परिवारों का सर्व ग्राम पंचायत में नामांकित सरवर द्वारा किया जाना अनिवार्य है सर्वेक्षित परिवारों का अनुमोदन ग्राम सभा द्वारा अनिवार्य रूप से किया जाएगा ग्राम सभा के प्रस्ताव में परिवार के मुखिया का नाम दर्ज होगा तथा यह स्पष्ट किया जाएगा की लाभार्थी का परीक्षण 10 बिंदुओं बहिर्वेशन प्रक्रिया पर किया गया है।

### मोबाइल सर्वे

हितग्राही द्वारा स्वयं के मोबाइल से सर्वे की निम्न अनुसार प्रक्रिया संपादित करनी होगी इसके लिए हितग्राही द्वारा स्वयं के मोबाइल से अपने आधार नंबर को दर्ज करते हुए ऑथेंटिकेशन के माध्यम से अपना नाम जोड़ सकेगा उक्त सूची अलग से प्रदर्शित होगी जिस पर भारत सरकार द्वारा दिए गए निर्देश अनुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी। उपरोक्त कार्रवाई हेतु मोबाइल एप्लीकेशन आवास प्लस 2.0 ग्रामीण विकास मंत्रालय एनआईसी नई दिल्ली द्वारा निर्मित किया गया है । जिसकी लिंक आवास सॉफ्ट पोर्टल पर उपलब्ध है, सर्वे हेतु समस्त जिले जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर के अधिकारियों एवं नामांकित सर्वे को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है अतः उपरोक्त अप की सहायता से जिले में तत्काल सर्वे प्रारंभ कारण और समस्त कार्रवाई 31 मार्च 2025 के पूर्व किया जाना सुनिश्चित करें के निर्देश प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण विकास आयुक्त कार्यालय के संचालक द्वारा जारी किए गए हैं।

## राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान

# ट्रैफिक पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान, चालकों की बढ़ीं मुश्किलें

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस के द्वारा नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रियता से वाहन चेकिंग करके यातायात विभाग के नियमों के प्रति सचेत करते हुए दुर्घटनाओं से बचाव हेतु रिफ्लेक्टर लगाए गए। इसके अलावा नियमों की अनदेखी करने वालों पर चालानी कार्रवाई की दो पहिया चार पहिया वाहन चालने बाली वाहन चालकों दुर्घटनाएं रोकने के लिए सीमित स्पीड के साथ हेलमेट से लेकर सभी सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने की हिदायत भी दी।

वहीं लगातार यातायात पुलिस के द्वारा पिछले कुछ दिनों से नगर में वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है इसकी जानकारी लगते ही वाहन चालकों की जरूर परेशानियां बड़ी हुई है। कई वाहन चालक तो रास्ता बदलकर दूसरे रास्तों से जाते हुए नजर आए क्योंकि चालानी कार्रवाई होने का डर इनको को रहता है। इस वजह से शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में पुलिस ने वाहन चेकिंग के लिए

कार्य किया तो यहां पर वाहन चालकों की भी लंबी-लंबी करें लगी हुई थी कई वाहन चालक यातायात पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए अपने-अपने स्तर से फोन लगवा कर कार्रवाई से बचने का प्रयास भी करते हुए नजर आए दूसरी ओर नियमों के विपरीत वाहनों को सड़कों पर दौड़ते है इस वजह से आए दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है।

पुलिस की इस कार्रवाई से जागरूकता जरूर आएगी क्योंकि दुर्घटना के बचाव के लिए निरंतर अभियान चलाना चाहिए बस इसकी आड़ में गरीब वर्ग के वाहन चालकों को चलाने कार्रवाई के लिए ना प्रेरित किया जाए यातायात पुलिस के द्वारा वाहन चेकिंग के नम पर नाजायज लोगों को परेशान भी करती इसलिए वाहन चालकों में इन दिनों हड़कंप मचा हुआ है। यातायात प्रभारी रितेश बघेल ने बताया की पुलिस अधीक्षक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी के निर्देश पर सड़क सुरक्षा के नियमों एवं दुर्घटना से बचने हेतु आवश्यक सावधानियों सहित जागरूकता की जानकारी दी तथा सभी लोगों को वाहन चलाते समय सीट बेल्ट, हेलमेट लगाने की समझाइश दी है। दूसरी ओर यातायात पुलिसकर्मी के द्वारा वाहन चेकिंग के नाम पर अवैध वसूली भी की जाती है इस और भी जिम्मेदारियां अधिकारियों को ध्यान देना होगा क्योंकि इसकी चर्चाएं भी लंबे समय से जोर-जोर पर हो रही है ।वाहन चेकिंग की आड़ में आए दिन बड़े वाहनों को रोककर सेटिंग का खेल भी चल रहा है केवल छोटे-छोटे वाहन चालकों पर चलानी कार्रवाई करके दिखावा किया जाता है। इस वजह से यातायात है पुलिस की छवि भी खराब हो रही है।

### स्कूल कॉलेज विद्यार्थियों को भी किया जागरूक

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे, एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी के निर्देश पर यातायात प्रभारी ने शहर स्कूल, कॉलेज, सार्वजनिक स्थानों पर आमजन, युवाओं, विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों बारे में जागरूक करते हुए यातायात प्रभारी बघेला ने हेलमेट लगाने, सीट बेल्ट लगाने, तेज गति से वाहन न चलाने, टू वीलर वाहन पर तीन सवारी न बैठने, चार पहिया वाहन के शीशों पर काली फिल्म न लगाने सहित ट्रैफिक नियमों के पालन करने की समझाइश दी गई । सड़क सुरक्षा नियमों के पालन हेतु जागरूकता पंपलेट वितरित किए गए।

साथ ही दुर्घटना में घायलों की सहायता हेतु गुड समेरिटन योजना एवं गोल्डन ऑवर्स की जानकारी दी गई इसके अलावा सड़क दुर्घटना के बारे में बताया गया एवं इससे बचने हेतु यातायात नियमों का पालन करें और अच्छे नागरिक का परिचय दें।

# संगठन शक्ति सबसे बड़ी शक्ति है : शास्त्री

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

सोमवार को लाल पठार स्थित उत्तर मुखी श्री हनुमान मंदिर पर अर्चक पुरोहितों की बैठक की गई। जिसमें सभी संगठन के पदाधिकारी उपस्थित हुए सभी ने अपने-अपने वक्तव्य में कहा ब्राह्मण जो है तपस्या से बलवान होता है ब्राह्मण जो है सनातन धर्म की जड़ है। पुजारी एवं कर्मकांड ब्राह्मण सनातन धर्म का जागरण करते हैं पूरे ब्रह्मांड में यदि सनातन को बढ़ाने का कार्य किया है तो वह मंदिर के अर्चक पुरोहितों ने किया है। वर्तमान समय को देखते हुए एकता के सूत्र में बंधना चाहिए। कलयुग में सबसे बड़ी शक्ति संगठन है यह बात पंडित मुन्नालाल शास्त्री ने कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुरुषोत्तम शर्मा द्वारा की गई मदन बाबू शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि ब्राह्मणों को आपसी में सम्मान करना चाहिए। जिससे संगठन में एकता का भाव आता है। कार्यक्रम में कृष्ण कुमार दुबे,अशोक कुमार दुबे, सोनू दुबे ,देवेंद्र प्रसाद दुबे,मोहन प्रसाद दुबे, अरुण चौबे, पुरुषोत्तम भार्गव, विशाल वैष्णव आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे। आगामी बैठक फरवरी माह में पिपलेश्वर नवदुर्गा मंदिर पर की जावेगी।

## सीएमओ के निर्देश पर नाले पर बनाई जा रही पुलिया, वार्ड वासियों को मिलेगी राहत

सिरोंज। काम करने से पहले दोनों तरफ के रास्ते तोड़कर आवागमन पूरी तरह बंद करने का कार्य ठेकेदार करते हुए न रहवासियों की मुश्किलें बढ़ा दी थी सूचना के बाद मुख्य नगर पालिका अधिकारी राम प्रकाश साहू ने ठेकेदार को सख्त निर्देश देकर दो में से एक पुलिया बनाने की दिशा निर्देश दिए थे। यहां पर एक पुलिया बनाने का काम किया जा रहा जल्दी ही काम पूर्ण हो जाएगा इसके बाद मोहल्ले के लोगों को आने जाने की कोई दिक्कत खत्म हो जाएगी। यह सब समस्या ठेकेदार की लापरवाही की वजह से हो रही है। रहवासियों को आने-जाने के लिए प्रतिदिन परेशानी हो रही है। जिम्मेदार अफसरों क अनदेखी के कारण शहर में अधिकांश ठेकेदार अपनी मनमर्जी से गुणवत्ता विहीन कार्यों कर रहे हैं। इनको कामों को देखने के लिए इंजीनियर जाते ही नहीं है इसी बात का फायदा उठाकर आम जनता को परेशान भी कर रहे हैं।

## राहुल के आगमन को लेकर जनसंपर्क

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

राहुल गांधी की इंदौर महू यात्रा को लेकर पूर्व विधायक ने ग्राम पंचायतों में बैठक और गांव में जनसंपर्क कर कार्यक्रम में शामिल होने आमंत्रण दिया। जिला काँग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक निशंक जैन ने 27 जनवरी को महू स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी के आगमन को लेकर अंबानगर ब्लाक के ग्राम पडरिया, हरगनाखेड़ी, ऊहर, अमोदा, मेहमूदा, अंबानगर, डाबर एवं करैया जागीर सहित कई ग्रामों का दौरा कर बैठकें एवं जनसम्पर्क किया। इस अवसर पर ग्राम अमोदा में दीपक बघेल, ग्राम पडरिया में राजकिशोर दाँगी ने काँग्रेस पार्टी में अपने कई साथियों सहित शामिल हुए।

## जय बापू जय भीम को लेकर कांग्रेस की हुई बैठक संपन्न

सिरोंज। रविवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की विधानसभा स्तरीय बैठक देवपुर में हुई जिसको संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष मोहित रघुवंशी ने आगामी 26 जनवरी को राहुल गांधी की मध्य प्रदेश जय बापू, जय भीम, जय संविधान 'बचाओ अभियान में सभी की सहभागिता हो इसके लिए उन्होंने अलग-अलग जिम्मेदारियां भी पार्टी के कार्यकर्ताओं को सौंपते हुए आयोजन के बारे में विस्तार से बताया। वही जिला प्रभारी प्रभु सिंह ठाकुर , सह प्रभारी जहीर खान ने भी अभिनय के संबंध में अपनी बात रखते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में कोलकाता सम्मिलित हूं उसकी तैयारी अभी से प्रारंभ कर दें।

# यातायात जागरूकता शिविर में अधिकारी बोले-शराब पीकर वाहन कदापि न चलाएं

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

यातायात पुलिस द्वारा सोमवार को बस स्टैंड पर यातायात जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिसमें सड़क सुरक्षा माह में समस्त बस चालकों एवं कंडक्टरो को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया गया।

पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी द्वारा दिए गए निर्देशानुसार एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मनोज मिश्रा के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी द्वारा समस्त बस चालकों एवं कंडक्टरो को यातायात नियमों के बारे में विस्तृत रूप से समझाइश दी गई।

### नियमों से कराया अवगत

सूबेदार आशीष राय एवं उनकी टीम द्वारा बस स्टैंड पर यातायात जागरूकता शिविर का आयोजन कर समस्त बस चालको एवं कंडक्टरों को जानकारी दी गई की। वे सभी वैध दस्तावेज बीमा,फिटनेस, परमिट, पीयूसी, रजिस्ट्रेशन, चालक का लाइसेंस पूर्ण कर ही वाहन सड़क पर चलाएं। शराब पीकर वाहन न चलाएं, बस में ओवरलोड सवारी ना बैठाए, तेज गति में बस ना चलाएं अन्यथा दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

### यात्री वाहनों में पैनिक बटन को चेक किया

जागरूकता शिविर के दौरान सभी बसों में पैनिक बटन को चेक किया जिससे दुर्घटना के वक्त इमरजेंसी मदद बुलाई जा सके, साथ ही सुबह के समय कोहरा एवं धुंध होने के कारण सावधानीपूर्वक बस चलाया जाए जिससे होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सके ।

**मेट्रो एंकर** एम पी किसान एप के माध्यम से मोबाइल से घर बैठे कर सकेंगे पंजीयन

# समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए 20 जनवरी से 31 मार्च तक होंगे पंजीयन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये शासन द्वारा किसान पंजीयन प्रक्रिया का निर्धारण कर दिया गया है। किसान 20 जनवरी से 31 मार्च तक पंजीयन करा सकते है।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज-सरल एवं सुगम बनाया गया है। किसान स्वयं के मोबाइल से एम पी किसान एप के माध्यम से घर बैठे पंजीयन करा सकेंगे, जिससे किसानों को पंजीयन केन्द्रों में लाइन लगाकर पंजीयन कराने की समस्या से मुक्ति मिलेगी। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के लिये गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2425 रूपए घोषित किया गया है। यह गत वर्ष से 150 रूपए अधिक है।

**सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा जिले में संचालित 130 पंजीयन केन्द्रों के माध्यम से पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था**

### पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था

पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था अंतर्गत जिले में सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा 130 पंजीयन केन्द्रों की स्थापना की गयी है।

### पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एमपी ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित सायबर केफे पर की गयी है। इन केन्द्रों पर पंजीयन के लिये प्रति पंजीयन 50 रू. शुल्क निर्धारित किया गया है।

सिकमी, बटाईदार, कोटवार एवं वनपट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन समिति द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी।

### पंजीयन हेतु दस्तावेज

आवेदन फार्म, मोबाईल नंबर (आधार से लिंक ओटीपी वेरिफिकेशन हेतु), आधार कार्ड, समग्र सदस्य आईडी, ऋण पुस्तिका/खसरा नकल, बैंक खाते की छायाप्रति, (जनधन, अक्रियाशील, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनो, एयरटेल, पेटीएम, बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होगे।), सिकमी, बटाईदार होने की स्थिति में भू स्वामी का अनुबंध (स्कैन कर अपलोड की जाएगी), वनपट्टाधारी की स्थिति में वन पट्टा होने संबंधी दस्तावेज ।

### भुगतान हेतु बैंक खाता

किसान द्वारा समर्थन मूल्य पर विक्रय उपज का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जायेगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गये बैंक खाते में भुगतान किया जा सके। किसान को पंजीयन के समय बैंक खाता नंबर एवं ष्टैब् कोड की जानकारी उपलब्ध करानी होगी। पंजीयन व्यवस्था में बेहतर सेवा प्राप्त करने के लिये यह जरूरी होगी कि किसान अपने आधार नंबर से बैंक खाता और मोबाइल नंबर को लिंक करा कर उसे अपडेट रखें। आधार में मोबाइल नंबर एवं बायोमेट्रिक अपडेशन का कार्य तहसील स्तर पर स्थापित आधार पंजीयन केन्द्रों एवं पोस्ट ऑफिस द्वारा संचालित आधार सुविधा केन्द्र के माध्यम से कराया जा सकता है।

पंजीयन कराने और फसल बेचने के लिये आधार नंबर का वेरीफिकेशन कराना अनिवार्य होगा। वेरिफिकेशन आधान नंबर से मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी अथवा बायोमेट्रिक डिवाइस से किया जा सके। किसान का पंजीयन केवल उसी स्थिति में हो सकेगा जबकि किसान के भूअभिलेख के खाते एवं खसरे में दर्ज नाम का मिलान आधार कार्ड में दर्ज नाम से होगा। भूअभिलेख और आधार कार्ड में दर्ज नाम में विसंगति होने पर पंजीयन का सत्यापन तहसील कार्यालय से कराया जायेगा। सत्यापन होने की स्थिति में ही उक्त पंजीयन मान्य होगा।

सभी किसानों से आग्रह है कि गेहूँ पंजीयन के लिये निर्धारित समयावधि 20 जनवरी से 31 मार्च तक में पंजीयन करा लें, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

# खो-खो की पहली वर्ल्ड चैंपियन बनी भारत की मेंस-विमेंस टीम

**दोनों ने नेपाल को फाइनल हराया, टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया**

**नईदिल्ली. एजेंसी**

भारत की मेंस और विमेंस टीम ने खो-खो का पहला वर्ल्ड कप जीत लिया है। रविवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में दोनों कैटेगरी के फाइनल खेले गए। विमेंस टीम ने नेपाल को 78-40 के बड़े अंतर से हराया। वहीं मेंस टीम ने भी नेपाल को ही हराया, लेकिन अंतर 54-36 का रहा। खो-खो वर्ल्ड कप 13 से 19 जनवरी तक नई दिल्ली में खेला गया। भारत की दोनों टीमें टूर्नामेंट में अजेय रहीं। जबकि नेपाल की दोनों टीमों को भारत के खिलाफ ही हार का सामना करना पड़ा। चैंपियन बनने के बाद भारत की दोनों टीमों ने तिरंगे के साथ विक्ट्री लैप लगाया। मेंस फाइनल में नेपाल ने टॉस जीतकर डिफेंस चुना। पहली पारी में भारत ने 26 पॉइंट्स हासिल किए, जबकि नेपाल को एक भी पॉइंट नहीं मिला। टीम इंडिया नेपाल को एक बार ऑलआउट करने में भी कामयाब रही। भारत ने पहली पारी में 26-0 की बढ़त ली। दूसरी पारी में नेपाल ने चेज किया और टीम ने 18 पॉइंट्स बटोरे। हाफ टाइम के बाद स्कोर 26-18 से भारत के पक्ष में रहा।

**तीसरी पारी में भी नेपाल ऑलआउट:** भारत ने 28 पॉइंट्स हासिल किए। नेपाल की टीम 4 मिनट के अंदर ही ऑलआउट हो गई, टीम एक भी ड्रीम रन नहीं बना सकी। तीसरे टर्न के बाद भारत ने 54-18 के अंतर से बढ़त बनाए रखी। चौथे टर्न में भी नेपाल की टीम 18 ही पॉइंट्स ले सकी और भारत ने 54-36 के अंतर से वर्ल्ड कप जीत लिया।

**विमेंस टीम इंडिया ने भी चेज से शुरुआत की :** विमेंस खो-खो वर्ल्ड कप का फाइनल शुरू हुआ। नेपाल ने टॉस जीतकर डिफेंस करना चुना। भारत ने पहली पारी में एकतरफा दबदबा दिखाया और 34 पॉइंट्स हासिल किए। दूसरी पारी में नेपाल ने चेज किया और 24 पॉइंट्स बटोरे, इस टर्न में भारत को भी एक पॉइंट मिल गया। हाफ टाइम के बाद भारत ने 35-24 के अंतर से बढ़त बनाए रखी। तीसरी पारी में भारत ने बढ़त का अंतर और भी ज्यादा कर लिया। टीम ने इस टर्न में 38 पॉइंट्स बटोरे और स्कोर 73-24 से अपने हक में कर लिया। चौथी और आखिरी पारी में नेपाल 16 ही पॉइंट्स बटोर पाई, जबकि भारत ने 5 पॉइंट्स हासिल कर लिए।

# भारत-इंग्लैंड सीरीजः शमी ने पट्टी बांधकर प्रैक्टिस की

**14 महीने बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी; पहला मैच 22 जनवरी को कोलकाता में**

**नईदिल्ली, एजेंसी**

मोहम्मद शमी ने कोलकाता में अपने बाएं घुटने पर पट्टी बांधकर प्रैक्टिस के लिए उतरे। शमी इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज में टीम इंडिया में शामिल हैं। उनकी 14 महीने के लंबे अंतराल के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी हुई है। उन्होंने 2023 में भारत में हुए वनडे वर्ल्ड कप में 19 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल मुकाबला खेला था। उसके बाद से वह चोट की वजह से इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज का पहला मुकाबला 22 जनवरी को कोलकाता में खेला जाएगा।

शमी ने एक घंटे से ज्यादा समय तक की गेंदबाजी इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती मैच से पहले भारतीय टीम ने रविवार को कोलकाता में तीन घंटे प्रैक्टिस की। शमी ने एक घंटे से अधिक समय तक पूरी लय में गेंदबाजी की। उन्होंने अपने बाएं घुटने पर पट्टी बांधकर गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल की निगरानी में शुरुआत में छोटे रन अप के साथ धीमी गेंदबाजी की और फिर पूरे रन अप के साथ गेंदबाजी की और गति को बढ़ाया। उन्होंने लगभग एक घंटे तक गेंदबाजी करने के बाद फील्डिंग प्रैक्टिस में भी हिस्सा लिया। उन्होंने अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा जैसे युवा बल्लेबाजों को अपनी गति और सटीक लाइन लेंथ से

परेशान किया। ध्रुव जुरेल ने शमी के खिलाफ लगाए शॉट इस दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने उनके खिलाफ कुछ आक्रामक शॉट लगाए। गेंदबाजी प्रैक्टिस खत्म करने के बाद उन्होंने गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल से बातचीत की। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने इस प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा नहीं लिया। वह प्रैक्टिस के समय तक कोलकाता नहीं पहुंच पाए थे। वे रविवार देर रात पहुंचे। जोस बटलर की अगुआई वाली इंग्लैंड की टीम ने रविवार को रेस्ट करने का फैसला किया।

# बीबीएल नॉकआउट में पहुंची स्टार्स, अब 22 जनवरी को थंडर से सामना

**मेलबर्न. एजेंसी**

ग्लेन मैक्सवेल के 32 गेंद पर 76 रन की मदद से मेलबर्न स्टार्स ने बिग बैश लीग (बीबीएल) के नॉकआउट स्टेज में जगह बना ली है। रविवार को लीग स्टेज के आखिरी मैच में मेलबर्न ने पहले बैटिंग करते हुए 219 रन बनाए। जवाब में टेबल टॉपर होबार्ट हरिकैंस 179 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। कमजोर शुरुआत के बाद स्टोयनिस ने संभाला मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में होबार्ट ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। मेलबर्न से ओपनर सैम हार्पर 23 और टॉम रॉजर्स 9 रन बनाकर आउट हो गए। टीम ने 36 रन पर 2 विकेट गंवा दिए, यहां से ब्यू वेबस्टर और कप्तान मार्कस स्टोयनिस ने टीम को संभाल लिया। स्टोयनिस ने 19 गेंद पर तेजी से 32 रन बनाए। उन्हें मिचेल ओवेन ने कैच आउट कराया, स्टोयनिस ने वेबस्टर के साथ 45 रन की पार्टनरशिप की। हालांकि, उनके आउट होने के वक्त 10.4 ओवर में स्कोर महज 81 रन तक ही पहुंच सका। मैक्सवेल ने तेजी दिलाई नंबर-5 पर ग्लेन मैक्सवेल बैटिंग करने उतरे, उन्होंने वेबस्टर के साथ चौथे विकेट के लिए 70 रन की पार्टनरशिप की और स्कोर 150 के पार पहुंचा दिया।

## मेट्रो बाजार

# 2030 तक 600 अरब डॉलर हो जाएगा भारत का वाहन उद्योग

**नईदिल्ली, एजेंसी**

भारत मोबिलिटी ऑटो एक्सपो में गूगल और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की ओर से जारी एक संयुक्त रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय मोबिलिटी उद्योग इस दशक के अंत तक यानी वर्ष 2030 तक दोगुना होकर 600 अरब डॉलर को पार निकल जाएगा। थिंक मोबिलिटी रिपोर्ट के मुताबिक, जैसे-जैसे इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) गति पकड़ रहे हैं, इससे देश में हर तीन में से एक व्यक्ति ईवी खरीदने का विचार कर रहा है। इसमें इलेक्ट्रिक फोर-वीलर और इलेक्ट्रिक टू-वीलर्स के बीच अलग-अलग प्राथमिकताएं उभर कर सामने आ रही हैं। इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर खरीदार इनोवेटिव तकनीक और विशिष्टता को प्राथमिकता देते हैं। यही वजह है कि कंपनियां प्रीमियम ईवी अब

तेजी से लॉन्च करने लगी हैं। कंपनियों का जोर ईवी के साथ हाइब्रिड कारों पर भी है। इसके विपरीत, इलेक्ट्रिक टू-वीलर उपभोक्ता व्यावहारिकता, आराम और खरीदने में आसान होने पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। इसलिए टू-वहीलर कंपनियां अफोर्डेबल इलेक्ट्रिक बाइक और स्कूटर लॉन्च कर रही हैं। सबसे तेजी से थ्री-व्हीलर खरीदने वाले ग्राहक ईवी को अपना रहे हैं। गूगल-बीसीजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि ईवी क्षेत्र में निर्णय लेने में महिलाओं की भूमिका अब 52त्न है, जो आंतरिक दहन इंजन यानी पेट्रोल-डीजल वाहनों के लिए 38त्न से अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक, इलेक्ट्रिक, शेयर्ड और कनेक्टेड मोबिलिटी जैसे उभरते क्षेत्र ऑटो इंडस्ट्री के राजस्व में 100 अरब डॉलर का योगदान करने जा रहा है। बीसीजी के प्रबंध नटराजन शंकर ने कहा, भारत अगले कुछ वर्षों में परिवर्तनकारी बदलाव के मुहाने पर है। ईवी, डिजिटल और एआइ में वैश्विक इनोवेशन का प्रभावी ढंग से उपयोग करना ओईएम के लिए पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। ऑटोमोबाइल कंपनियों को सफल होने के लिए अपनी पेशकशों को भारतीय उपभोक्ताओं की विशिष्ट मांगों के साथ जोड़ना होगा। वहीं गूगल इंडिया के निदेशक भारुकर रमेश ने कहा कि लाभ कमाने के नए तरीकों और ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं के साथ-साथ जेन-जेड और महिलाओं के नेतृत्व में डिजिटल खरीदारी पारंपरिक लोगों से आगे निकल रही हैं, जो निजीकरण की बढ़ती मांग से प्रेरित है। खरीदारी से पहले से लेकर वाहन में अनुभव और बिक्री के बाद की सेवाओं तक हम एआइ के सहयोग से अपार संभावनाएं देखते हैं।

# यूपीआइ से रेकॉर्ड 16.73 अरब लेनदेन, जीएसटी कलेक्शन 7.3 फीसदी बढ़कर 1.77 लाख करोड़

**नईदिल्ली, एजेंसी**

साल के पहले दिन अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। देश में जीएसटी कलेक्शन दिसंबर में 7.3 फीसदी बढ़कर 1.77 लाख करोड़ रुपए रहा, जो दिसंबर 2023 में 1.65 लाख करोड़ रुपए रहा था। हालांकि यह संग्रह नवंबर, 2024 से कम है जब सरकार के खजाने में 1.82 लाख करोड़ रुपए आए थे। बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, केंद्रीय जीएसटी कलेक्शन 32,836 करोड़ रुपए राज्य जीएसटी 40,499 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी 47,783 करोड़ रुपए और सेस 11,471 करोड़ रुपए रहा। दिसंबर महीने में घरेलू ट्रांजैक्शन से जीएसटी 8.4 फीसदी बढ़कर 1.32 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि आयात पर टैक्स से हासिल रेवेन्यू करीब 4 फीसदी बढ़कर 44,268 करोड़ रुपए हो गया। साल 2024 में जीएसटी से सरकारी खजाने में करीब 21.50 लाख करोड़ रुपए आए। औसत मासिक जीएसटी कलेक्शन 1.79 लाख करोड़ रुपए रहा। बंपर जीएसटी संग्रह से साथ दिसंबर में यूपीआइ लेनदेन का भी नया रेकॉर्ड बना। पिछले माह कुल 16.73 अरब यूपीआइ ट्रांजेक्शन हुए, जिसमें 23.25 लाख करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए।

## मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

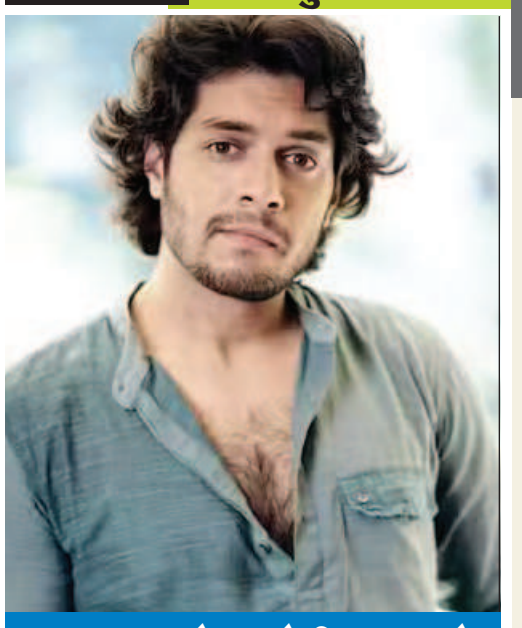

# 'लवयापा' में अपने किरदार को निभाने जुनैद ने की खास तैयारी

जुनैद खान ने अपनी आगामी फिल्म लवयापा में एक स्थानीय दिल्ली लड़के का किरदार निभाने के लिए काफी खास तैयारी की है। आइए जानते हैं कि उन्होंने इस किरदार को जीवंत करने के लिए क्या किया है? फिल्म 7 फरवरी को रिलीज होने जा रही है। इसकी रिलीज से पहले एक दिलचस्प जानकारी सामने आई है। कई समाचार पोर्टल में छपी खबरों की माने तो इस फिल्म के लिए जुनैद ने काफी ज्यादा मेहनत की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जुनैद खान ने फिल्म में अपने किरदार को पूरी तरह से जीवंत बनाने के लिए दिल्ली में तीन महीने बिताए।

### दिल्ली के लड़के का निभाया है किरदार

फिल्म में उन्होंने एक स्थानीय दिल्ली के लड़के का किरदार निभाना था। इसके लिए उन्होंने दिल्ली की गलियों में समय बिताया। उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनके हाव-भाव और बोलचाल की भाषा को आत्मसात किया। जुनैद ने न केवल दिल्ली की बोली को समझा, बल्कि शहर के अलग-अलग हिस्सों में जाकर उनके रहने के तरीके को भी महसूस किया।

### जुनैद ने करीब से देखी दिल्ली की जिंदगी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चांदनी चौक की भीड़-भाड़ से लेकर लोधी गार्डन की शांति तक, जुनैद ने दिल्ली के विभिन्न पहलुओं को अनुभव किया, जिससे उन्हें अपने किरादर को निभाने में मदद मिली। हाल ही में लवयापा का ट्रेलर रिलीज हुआ था। इसे देखने के बाद लोग उम्मीद जता रहे है कि फिल्म में उन्हें अच्छी कॉमेडी और ड्रामा देखने को मिलेगा। हालांकि, लोगों की उम्मीदों पर यह फिल्म खरी उतरेगी या नहीं यह तो वक्त ही बताएगा।

# सलाम-ए-इश्क की शूटिंग के लिए सलमान ने सुबह 5 बजे उठने से कर दिया मना

सलमान खान अपने सह कलाकारों के साथ कनेक्ट रहते हैं। सलाम-ए-इश्क की शूटिंग के दौरान सलमान खान ने सुबह 5 बजे शूटिंग करने से मना कर दिया था। उन्होंने कहा कि पूरी रात जगना होगा। शूटिंग 'तेनू लेके' गाने के लिए होनी थी। निखिल ने याद किया, हमने सलमान को पूरी रात जगाए रखा क्योंकि उन्होंने कहा कि मैं सुबह 5 बजे नहीं आ सकता। या तो मेरे साथ बैठो या मैं सीधे 10 बजे सो जाऊंगा। इसके बाद सभी लोग रात भर जगे, उन्होंने शॉट लिया और फिर सलमान सोने गए थे।

**गोविंदा के लिए भी कही ये बात:** निखिल आडवाणी ने गोविंदा के लिए भी कहा कि मेरे लिए, इरफान, गोविंदा और अक्षय खन्ना ऐसे लोग हैं जिन्हें निर्देशित करने में मुझे सबसे अधिक खुशी मिली। वे अपने काम को गंभीरता से नहीं लेते। गोविंदा मुझसे पूछते थे, आप इस दृश्य को कैसा चाहते हैं- इतालवी, मुगलई, भारतीय, चीनी गोविंदा उन दिनों पार्टनर और सलाम-ए-इश्क की शूटिंग कर रहे थे इसलिए वह खुद को भी संभाल रहे थे। जब वे बहुत बुरी हालत में थे, तब सबको गलत साबित करना चाहते थे।

# शाह बानो का किरदार निभाएंगी यामी गौतम 1985 ट्रिपल तलाक केस से जुड़ी है फिल्म

मां बनने के बाद यामी गौतम एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी करने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक्ट्रेस, शाह बानो की लाइफ पर आधारित फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगी। बता दें कि शाह बानो ने अपने पति से तलाक के बाद मेंटेनेंस पाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी थी। यह केस 1985 में ट्रिपल तलाक, महिलाओं के अधिकार और मुस्लिम पर्सनल लॉ से जुड़ा था। शाह बानो के पक्ष में आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला देशभर में सामाजिक और कानूनी चर्चा का विषय बन गया था। शाह बानो का ट्रिपल तलाक केस मामले में काफी योगदान रहा है। यामी गौतम इस फिल्म के जरिए दर्शकों को इसी केस की अहमियत समझाएगी। बताया जा रहा है कि यामी गौतम शाह बानो का किरदार निभाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। यह उनके करियर का एक आइकॉनिक रोल होगा। वो इस नई चुनौती को लेकर बेहद उत्साहित हैं। शाह बानो के लाइफ पर बनने जा रही फिल्म का डायरेक्शन सुपर्ण वर्मा करेंगे। जो इससे पहले द फैमिली मैन सीजन 2, राना नायडू और द ट्रायल का डायरेक्शन कर चुके हैं।

**कौन थीं शाह बानो :** शाह बानो मध्य प्रदेश के इंदौर की रहने वाली थीं। 1978 में उनके पति मोहम्मद अहमद ने 62 वर्ष की उम्र में तलाक देकर घर से निकाल दिया था। शाह बानो के 5 बच्चे थे। पति से गुजारा भत्ता पाने का मामला 1981 में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। पति का कहना था कि वह शाह बानो को गुजारा भत्ता देने के लिए बाध्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने 1985 में सीआरपीसी की धारा-125 पर फैसला दिया। यह धारा तलाक के केस में गुजारा भत्ता तय करने से जुड़ी है। सुप्रीम कोर्ट ने शाह बानो को गुजारा भत्ता देने के मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने शाह बानो के पक्ष में आए न्यायालय के फैसले के खिलाफ देश भर में आंदोलन छेड़ दिया। देश के तमाम मुस्लिम संगठनों का कहना था कि न्यायालय उनके पारिवारिक और धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करके उनके अधिकारों का हनन कर रहा है।

## खदान में मोटर लगाते समय पैर फिसला, डूबने से किसान की मौत

**भोपाल।** सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित ग्राम पिपलिया जाहिर पीर में खदान में भरे पानी में डूबने से किसान की मौत हो गई। हादसा रविवार दोपहर खदान में मोटर लगाते समय हुआ। अनुमान है कि मोटर लगाते समय उनका पैर फिसल गया था सूखीसेवनिया स्थित पिपलिया जाहिर पीर में हुआ हादसा और वह गहरे पानी में डूब गए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार तोरण सिंह तरवर सिंह (48) गांव पिपलिया जाहिर पीर में रहते थे और पेशे से किसान थे। उनके खेत के पास ही खदान लगी हुई है। खदान में पानी भरा हुआ है। वे खदान में मोटर लगा रहे थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया। पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चले गए थे। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन गहरा पानी होने के कारण करीब चालीस मिनट से ज्यादा समय वह पानी में डूबे रहे। किसी तरह उन्हें बाहर निकालकर सीपीआर दी गई, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी।

## महिला ने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

**भोपाल।** तलैया इलाके में रहने वाली एक महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। जानकारी के अनुसार सिल्लीखाना तलैया में रहने वाली समरीन पत्नी आमिर (27) गृहणी थी, जबकि पति फर्नीचर की दुकान पर लकड़ी में पॉलिस का काम करता है। दंपति को आठ साल का बेटा और आठ महीने की बेटी है। शनिवार को आमिर काम पर गया था। देर शाम समरीन के घर से बेटी के रोने की आवाज सुनकर पड़ोसी पहुंचे तो बच्चे रोते हुए मिले, लेकिन समरीन कमरे में नहीं थी। दूसरे कमरे में जाकर देखा तो वह फांसी के फंदे पर लटकी दिखी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर कर लिया। रविवार को पीएम के बाद लाश परिजन को सौंप दी गई है।

## भाई ने संदूक से चुराए 4 लाख दो साल बाद एफआईआर

**भोपाल।** पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित ईशान पार्क कॉलोनी, पटेल नगर में रहने वाले सिक्योरिटी इंचार्ज के ममेरे भाई ने अपने परिचित के साथ मिलकर उनकी संदूक में रखी 4 लाख रुपए की नगदी चुरा ली। घटना दो साल पहले 21 अगस्त 2023 की बताई जा रही है। दरअसल, सागर जिले से उनका ममेरा भाई परिचित के साथ सेकंड हैंड कार खरीदने भोपाल आया था। रात के समय उसने मामा के कमरे में रखी संदूक से रुपए चुरा लिए। पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।कार खरीदने के इरादे से आया था एसआई आनंद सिंह परिहार ने बताया कि ईशान पार्क कॉलोनी, पटेल नगर निवासी राजकुमार राजपूत (52) सिक्योरिटी एजेंसी का संचालन करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि राजा ठाकुर उनका ममेरा भाई है और गांव मानकी, तहसील राहतगढ़, जिला सागर में रहता है। वह खेती किसानी करता है। गत 21 अगस्त 2023 में वह अपने परिचित विक्रम राजपूत के साथ भोपाल आया था। उसे सेकंड हैंड कार खरीदनी थी। राजा ठाकुर और विक्रम सिंह ईशान पार्क में राजकुमार राजपूत के घर रुके हुए थे। रात में उन्होंने उनके घर कमरे में रखी संदूक (पेटी) से चार लाख रुपए की नगदी निकाल ली। इसके बाद वह चले गए। नगदी नहीं मिलने पर राजकुमार राजपूत ने उनसे पूछताछ की। पहले तो आरोपी रुपए चुराने से इंकार करने लगे। बाद में उन्होंने नगदी चुराने की बात स्वीकार ली और जल्द ही रुपए लौटाने की बात कही। दो साल बाद भी जब आरोपियों ने उनके रुपए नहीं लौटाए तो राजकुमार ने पिपलानी पुलिस थाने में उनकी शिकायत की थी। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

निशातपुरा थाना क्षेत्र का मामला

# वेतन नहीं मिला तो बड़े भाई व दोस्त के साथ मिलकर क्रेन ही चुरा ली

**ड्राइवर उसका भाई समेत अन्य गिरफ्तार, क्रेन बरामद**

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित करोंद चौराहा, पेट्रोल पंप के सामने से चोरी हुई क्रेन पुलिस ने बरामद कर ली है। उक्त मामले में पुलिस ने क्रेन के ड्राइवर उसके भाई समेत अन्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी ड्राइवर से पूछताछ में पता चला कि क्रेन मालिक ने उसे वेतन नहीं दिया था। इससे नाराज होकर उसने अपने भाई और दोस्त के साथ मिलकर क्रेन चुरा ली थी। आरोपियों की क्रेन को विदिशा में बेचने की योजना था। इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

जानकारी के अनुसार पानी की टंकी के पास विश्वकर्मा नगर करोंद निवासी अंकित साहू ड्राइवर है और रमेश कुमार ठाकुर का टाटा क्रेन चलाता है। 15 जनवरी की रात करीब 8 बजे अंकित ने टाटा क्रेन करोंद चौराहा के इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास खड़ी की थी। उसने मालिक को बताया कि क्रेन पंप पर खड़ी कर दी है। 16 अगस्त की सुबह करीब 10 बजे उसने क्रेन मालिक रामेश कुमार ठाकुर और सुपरवाइजर प्यारेभाई को बताया कि क्रेन पेट्रोल पंप के पास नहीं है। वह दोनों भी मौके पर पहुंचे और आसपास क्रेन की तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला।

### दर्ज कराई क्रेन चोरी की शिकायत

क्रेन मालिक ने निशातपुरा थाने पहुंचकर क्रेन चोरी की शिकायत दर्ज कराई। चोरी गई क्रेन कीमत 15 लाख रुपए बताई थी। पुलिस ने 60 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे चेक किए। घटनास्थल के साथ ही अन्य इलाकों और टोल नाके पर लगे 60 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों को वीडियो और फुटेज देखे गए। इस दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि पुराने ड्रायवर प्रदीप कुशवाहा ने अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी की है और उसे विदिशा की तरफ ले जाया गया। सूचना के बाद पुलिस ने विदिशा मार्ग पर आरोपियों की तलाश की तो एक खाली स्थान पर सड़क किनारे खड़ी क्रेन मिल गई। क्रेन के पास ही तीन युवक घूम रहे थे। पुलिस को देख तीनों ने भागने का प्रयास किया, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ पर उन्होंने अपने नाम प्रदीप कुशवाहा (24), उसका बड़ा भाई राजू कुशवाहा (27) निवासी ग्राम खेजड़ा, थाना शमशाबाद और दोस्त रामकुमार रैकवार (26) निवासी ग्राम बैरखेड़ी थाना कुरवाई जिला विदिशा बताए।

### पूर्व ड्राइवर निकला चोर

तीनों आरोपियों से पुलिस ने क्रेन जब्त करते हुए पूछताछ की तो प्रदीप कुशवाहा ने बताया कि वह पहले क्रेन पर ड्रायवरी करता था, लेकिन क्रेन मालिक समय पर वेतन नहीं देता था।

इसलिए उसने नौकरी छोड़ दी और मालिक की क्रेन चोरी करने की योजना बनाई। इस योजना में उसने अपने बड़े भाई और दोस्त को शामिल किया था। तीनों क्रेन चोरी कर उसे बेचने की फिराक में थे, लेकिन उसके पहले ही पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

### हेड कांस्टेबल का पर्स चुराकर खाते से निकाले 40 हजार, सीएम कारकेड की सुरक्षा के दौरान घटना

**भोपाल।** कोहेफिजा थाने में पदस्थ एक हेड कांस्टेबल के जेब से बदमाश ने पर्स चोरी कर लिया। बाद में पर्स में रखे एटीएम की मदद से खाते से 40 हजार रुपए निकाल लिए। बैंक से रुपए कटने का मैसेज आने के बाद हेड कांस्टेबल को घटना का पता चला। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक हेड कांस्टेबल विनोद सिसौदिया कोहेफिजा थाने में पदस्थ हैं। पिछले महीने 22 दिसंबर की दोपहर करीब दो बजे वह लालघाटी स्थित वीआईपी रोड पर तैनात थे। इस दौरान मुख्यमंत्री का काफिला निकलने वाला था। विनोद सुरक्षा व्यवस्था बनाने में लगे हुई थी। उस वक्त आसपास काफी भीड़भाड़ थी। इसी दौरान किसी ने उनकी जेब में रखा पर्स निकाल लिया। पर्स में पांच सौ रुपये नकद और एटीएम कार्ड रखा हुआ था।

## बारहवीं की छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान पुलिस ने आईफोन और लैपटाप किया जब्त

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित शुभालय विला फेस-टू में शनिवार शाम 12वीं कक्षा छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। इकलौती बेटी की मौत से दुखी माता-पिता भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। पुलिस ने छात्रा के कमरे से उसका आईफोन और लैपटॉप बरामद किया है। पुलिस आईफोन और लैपटॉप की जांच कर रही है।

थाना प्रभारी रतन सिंह ने बताया कि आध्या परिहार पिता राजीव सिंह परिहार (17) शुभालय विला कॉलोनी फेस-2, अवधपुरी में रहती थी और रातीबड़ स्थित एक निजी स्कूल से बारहवीं की पढ़ाई कर रही थी। उसके पिता राजीव सिंह भोपाल के निजी कालेज में प्रोफेसर हैं, मां गृहणी हैं। आध्या की एक चचेरी मौसी को पेसमेकर लगाना है, जिसके कारण वह अस्पताल में भर्ती हैं। शनिवार को माता-पिता उन्हें देखने के लिए अस्पताल गए थे। घर पर आध्या और उसकी दूसरी मौसी मौजूद थी।

शाम करीब 4 बजे मौसी ने आध्या से कहा कि चलो कहीं बाहर घूमकर आते हैं। आध्या ने कहा कि अभी उसकी ऑनलाइन क्लास है। क्लास अटैंड करने के बाद चलेंगे। उसके बाद वह क्लास अटैंड करने के लिए अपने कमरे में चली गई, जबकि मौसी ग्राउंड फ्लोर पर बैठी रही।

### नौकरानी चाय लेकर पहुंची तो बंद था दरवाजा

शाम करीब 6 बजे नौकरानी घर पहुंची और उसने चाय बनाई। मौसी ने कहा कि आध्या की चाय उसके कमरे पर पहुंचा दो। नौकरानी चाय लेकर पहुंची तो आध्या के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। आवाज देने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो नौकरानी ने मौसी को बताया। मौसी का लगा कि आध्या सो रही होगी। उन्होंने आध्या की मम्मी को कॉल किया। उन्होंने बताया कि आध्या दिन में कभी भी नहीं सोती है। यह सुनते ही मौसी दौबारा आध्या के कमरे के बाहर पहुंची और आवाज दी, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

### फांसी के फंदे पर नजर आई आध्या

मौसी और नौकरानी के प्रयास से दरवाजा नहीं खुला तो पड़ोसी सिद्धार्थ त्रिपाठी को घर बुलाया गया। उन्होंने खिड़की से अंदर देखा तो आध्या खिड़की की राड से फांसी का फंदे पर लटकी नजर आई। सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस फांसी की सूचना मिलते ही आध्या के माता-पिता अस्पताल के घर पहुंचे। इधर अवधपुरी पुलिस भी तत्काल पहुंच गई।

किसी तरह दरवाजा खोला गया तो आध्या की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। कमरे की तलाशी में सुसाइड नोट नहीं मिला है। आध्या के पास एप्पल कंपनी का लैपटाप और आईफोन था, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है।

## पत्रकार से मोबाइल झपट कर भागे एक्टिवा सवार

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित रिवेयरा टाउन गेट पर बीती रात एक्टिवार बदमाशों ने पत्रकार के हाथ से मोबाइल झपट लिया। झपटे गए मोबाइल की कीमत 10 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार योगानंद श्रीवास्तव पत्रकार कॉलोनी लोकमत भवन के सामने रहते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह एक अखबार में नौकरी करते हैं और एक महीने पहले ही उनका ग्वालियर से भोपाल ट्रांसफर हुआ है। शनिवार रात वह न्यू मार्केट से खरीदारी कर लौट रहे थे। मैनिट सड़क वाले रिवेयर टाउन गेट पर पहुंचे ही थे कि उनके मोबाइल पर टिफिन सेंटर का कॉल आ गया। वे पूछ रही थी कि टिफिन कहां रखना है। वे उनसे बात करते हुए पैदल अपने घर की तरफ जा रहे थे, तभी रात करीब 9 बजकर 48 मिनट पर एक्टिवा युवकों में पीछे बैठे युवक ने उनके हाथ से मोबाइल झपट लिया।

उन्होंने उनका पीछा किया, लेकिन वह पैदल थे और एक्टिवा सवार एक्टिवा को तेजी से चलाते हुए भाग निकले। पुलिस का कहना है कि रिवेयरा टाउन गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए थे, लेकिन कैमरे घटनास्थल तक की वारदात कवर नहीं कर सके। पुलिस सड़क पर लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की तलाश कर रही है।

**मेट्रो एंकर** कोतवाली पुलिस क्षेत्र का मामला

## कपड़ा बाजार में पर्स चुराते रंगे हाथ पकड़ाई महिला

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

कोतवाली पुलिस ने कपड़ा बाजार में एक व्यक्ति का पर्स चोरी करते हुए महिला को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस को दिया। पहले तो महिला पुलिस को गुमराह करती रही, लेकिन जब महिला पुलिस कर्मचारियों ने उसकी तलाशी ली तो चोरी किया गया पर्स बरामद हो गया।

प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि महिला पिछले करीब दस साल से बाजार और भीड़भाड़ इलाके में इस प्रकार की वारदातों को अंजाम दे रही थी। उससे अन्य वारदातों को लेकर पूछताछ की जा रही है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक नूरमहल पायगा में रहने वाले परवेज खान शनिवार की शाम को शापिंग करने के लिए इब्राहिमपुरा पहुंचे थे। शाम करीब साढ़े सात बजे उन्होंने कपड़ा बाजार में एक दुकान पर खरीददारी की और पैसे देने के बाद पर्स कंधे पर टंगे थैले के अंदर रख लिया। वह दुकान से आगे जाने लगे, तभी उनके पीछे चल रही एक महिला ने थैले के अंदर हाथ डालकर उनका पर्स निकाल लिया। स्थानीय लोगों की नजर पड़ी तो उन्होंने शोर मचाया, जिसके महिला को पकड़ लिया गया। उसने पर्स को ब्लाउज के अंदर छिपा लिया और चोरी नहीं करने की बात कहने लगी। इसी बीच इलाके में गश्त कर रहे चार्ली जवान भी मौके पर पहुंच गए।

चार्ली जवानों ने महिला से पूछताछ की तो उसने पर्स चुराने से इंकार कर किया और अनर्गल आरोप लगाने लगी। उसके बाद लोगों की मदद से महिला को थाने लाया गया। यहां महिला पुलिस कर्मचारियों ने उसकी तलाशी ली तो परवेज के थैले से चोरी किया गया पर्स बरामद हो गया।

पर्स में करीब 22 सौ रुपये नकद और अन्य जरूरी कागजात रखे हुए थे। पूछताछ के दौरान महिला ने अपना नाम काजल जोगी निवासी छोला मंदिर बताया। उसके खिलाफ पहले से इस प्रकार के मामले दर्ज बताए गए हैं।

### एक्सीडेंट में घायल बुजुर्ग व्यक्ति की मौत

**भोपाल।** कोहेफिजा इलाके में एक्सीडेंट में घायल हुए एक बुजुर्ग व्यक्ति की इलाज के दौरान निजी अस्पताल में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रामचरण मोगिया (70) सुठालिया जिला राजगढ़ के रहने वाले थे। बीती पंद्रह जनवरी को वह अपनी पत्नी केसरबाई के साथ भोपाल आये थे। दोपहर करीब तीन बजे कमिश्नर कार्यालय के सामने दोनों सड़क क्रास कर रहे थे, तभी लालघाटी की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार मैजिक वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी थी। इस हादसे में रामचरण और केसर बाई को चोट आई थी। गंभीर रूप से घयाल रामचरण को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया था। बाद में उन्हें भैंसाखेड़ी स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां शनिवार को उनकी मौत हो गई।

## पानी की टंकी में डूबा 4 साल का मासूम

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

**बहन के घर आया था परिवार, सुबह खेलते समय हुआ हादसा**

कोलार थाना क्षेत्र स्थित गेहूंखेड़ा कोलार में घर में बनी अंडर ग्राउंड पानी की टंकी में डूबने से चार साल की मासूम की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। सोमवार को बच्ची का पीएम कराया जाएगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार अनिल पथरौल न्यू जेल रोड गांधी नगर में रहते हैं और नगर निगम में सफाईकर्मी हैं। उनकी बहन गेहूंखेड़ा कोलार में रहती हैं। वे परिवार के साथ बहन के घर अक्सर आते थे। रविवार सुबह भी वह बहन के घर पत्नी और बड़े बेटे समेत 4 साल की छोटी बेटी एनिका पथरौल के साथ आए थे। परिवार के सभी लोग घर में बैठकर बातचीत कर रहे थे। इस बीच एनिका खेलते-खेलते घर के बाहर आंगन में पहुंच गई। इसके बाद से ही उसका कुछ पता नहीं था। करीब 12 बजे एनिका परिजन को नहीं दिखी तो उन्होंने उसकी आसपास तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। टंकी में उतरे तो अंदर दिखी एनिका एएसआई दिग्विजय वैष्णों ने बताया कि परिजन की नजर टंकी पर लगे कमजोर ढक्कन पर पड़ी वह टूटा हुआ दिखा। अनहोनी की आशंका होने पर परिजन पानी की टंकी में उतरे। इस दौरान अंदर एनिका नजर आई। वह एनिका को बाहर निकालकर निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद परिजन उसे लेकर चूनाभट्टी स्थित निजी अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने चेक करने पर एनिका को मृत घोषित कर दिया। आंगन में बनाई है अंडर ग्राउंड पानी की टंकी एएसआई वैष्णों ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण करने पर पता चला कि अनिल की बहन ने आंगन में अंडर ग्राउंड टंकी बनाई है।

## ट्रैफिक आरक्षक ने युवक से की मारपीट, वीडियो वायरल

**भोपाल।** पिपलानी थाना क्षेत्र आनंद नगर, राम मंदिर के सामने ट्रैफिक के एक जवान ने युवक के साथ मारपीट कर दी। मारपीट का यह वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। हालांकि घटना की तारीख स्पष्ट नहीं हो सकी है। वीडियो वायरल होने के बाद मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में युवक सड़क के किनारे खड़ा नजर आ रहा है। उसी समय राज्यपाल का काफिला गुजरता है। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक का एक पुलिस जवान दौड़ता हुआ युवक के पास पहुंचता है और उसकी गर्दन पकड़कर जमीन पर पटक देता है। उसके बाद वह उसे लातें और थप्पड़ भी मारता है। इस दौरान मौके पर मौजूद किसी राहगीर ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। वायरल वीडियो की जानकारी ट्रैफिक डीसीपी संजय कुमार सिंह तक पहुंची तो उन्होंने मामले की जांच के आदेश दे दिए। जांच का जिम्मा एसीपी ट्रैफिक को सौंपा गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022